अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 11 लखनऊ, मंगलवार, 22 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

बांग्लादेश में वायुसेना का प्रशिक्षण विमान स्कूल की इमारत से टकराया, 19 की मौत

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सोमवार को एक सैन्य प्रशिक्षण विमान के स्कूल और कॉलेज की इमारत से टकरा जाने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गयी और 164 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब विमान ने उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी का सामना किया।एफ-7 बेजीआई प्रशिक्षण जेट ने दोपहर 1:06 बजे (स्थानीय समयानुसार) कुर्मीटोला वायुसेना अड्डे से नियमित प्रशिक्षण मिशन पर उड़ान भरी थी। बांग्लादेश सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सामी उद दौला चौधरी ने बताया, ''पायलट ने घनी आबादी वाले इलाकों से विमान को दूर ले जाने की पूरी कोशिश की, लेकिन तकनीकी विफलता के चलते वह सफल नहीं हो सके और विमान मिलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज की दो-मंजिला इमारत से जा टकराया।''दुर्घटना में पायलट की भी मौत हो गई, जबकि कई छात्र और शिक्षक भी हताहत हुए।

जब तक दिल्ली की सत्ता में बदलाव नहीं होगा, संघर्ष जारी रहेगा : ममता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को धर्मतला में आयोजित वार्षिक 'शहीद श्रद्धांजलि सभा' में भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। ममता ने केंद्र सरकार पर बंगाल के लोगों के अधिकार छीनने, अपमान करने और लोकतंत्र को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सत्ता में जब तक परिवर्तन नहीं होता, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। ममता बनर्जी ने अपने संबोधन की शुरुआत 1993 के 21 जुलाई की उस घटना से की। उन्होंने कहा कि उस दिन मैंने मौत को करीब से देखा, लेकिन पीछे नहीं हटी। शहीदों की कुर्बानी ने बंगाल में बदलाव की बुनियाद रखी।

मुम्बई के लोकल ट्रेन बम धमाके का फैसला न्याय और सच्चाई की जीत : मदनी

नई दिल्ली। मुंबई में 11 जुलाई, 2006 की शाम लोकल ट्रेन बम धमाकों के मामले में आज बॉम्बे हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के फैसले को जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने न्याय और सच्चाई की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह उन परिवारों के लिए बहुत बड़ा दिन है, जिनके बेटे 19 साल से झूठे आरोपों में जेल में सज़ा काट रहे थे। मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमारे वकीलों ने दिन-रात मेहनत की और ऐसी ठोस दलीलें दीं कि अभियोजन पक्ष का पूरा झूठ उजागर हो गया।

मानसून सत्र के पहले दिन नहीं चल पायी लोकसभा

पहलगाम हमले को लेकर राज्यसभा में हंगामा, विपक्ष ने किया बहिर्गमन

- पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर, ट्रम्प के बयान पर जवाब दें मोदी : खरगे
- ऑपरेशन सिंदूर के सभी तथ्यों को देश के सामने रखा जाएगा : नड्डा
- लोकसभा ने पहलगाम हमला, विमान दुर्घटना में मारे गये लोगों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को विपक्षी सदस्यों ने पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा किया। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरन कांग्रेस के सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सभी सदस्यों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए दुखद और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले ने निर्दोष लोगों की जान ले ली और हमारी सामूहिक अंतरात्मा को गहरा आघात पहुंचाया।इसके जवाब में हमारा राष्ट्र एकजुट होकर सीमा पार आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के पीछे एकजुट हुआ। हमारे सशस्त्र बलों के दृढ़ साहस और हमारे लोगों की अटूट एकजुटता ने हमारे गणतंत्र की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता की सशक्त रूप से पुष्टि की।

इसके साथ उन्होंने 12 जून को एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 की दुखद दुर्घटना में मारे गए 240 लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सदनकी कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए धनखड़ ने सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को जन्मदिन की बधाई दी। धनखड़ ने नियम 267 के तहत विपक्षी सदस्यों के 18 नोटिस पर चर्चा कराने की मांग को खारिज कर दिया। इसके साथ ही शमिक भट्टाचार्य ने भी नियम 167 के तहत ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग का नोटिस दिया। राज्यसभा में शून्य काल की शुरुआत में विपक्ष के नेता मल्लिकाअर्जुन खरगे ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर नियम 267 के तहत नोटिस दिया है। आज तक आतंकवादियों को पकड़ा नहीं किया गया है। सभी दलों ने सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया। सरकार को हमें बताना चाहिए कि क्या हुआ है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। उपराज्यपाल ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में इंटेलिजेंस फ़ेलियर हुआ। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि देश में ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि सरकार पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं करना चाहती। हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के सभी तथ्यों को देश के सामने रखा जाएगा। इस पर विपक्षी सदस्य जमकर हंगामा करने लगे जिसके कारण सदन की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति के सामर्थ्य का रूप देखा : मोदी

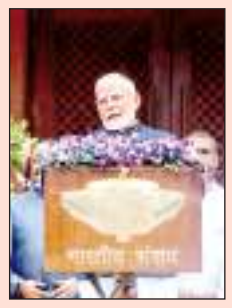

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सेना ने आतंकियों के आकाओं के घर में जाकर जिस प्रकार का सफल अभियान चलाया उससे पूरी दुनिया ने देश की सैन्य शक्ति और सैन्य सामर्थ्य का रूप देखा है। श्री मोदी ने मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले सोमवार को संसद परिसर में कहा कि मॉनसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है, और अब तक जो खबरें मिली हैं, देश में मौसम बहुत ही अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है, कृषि को लाभदायक मौसम की खबरें हैं। बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और इतना ही नहीं हर परिवार की अर्थव्यवस्था में एक बहुत महत्वपूर्ण होती है। अब तक जो मुझे जानकारी दी गई है, उस हिसाब से पिछले 10 वर्ष में जो पानी का भंडार हुआ है इस बार वो करीब-करीब तीन गुना हुआ है, जिसका आने वाले दिनों में भी देश के अर्थतंत्र को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा, ह्लयह मॉनसून सत्र राष्ट्र के लिए ये बहुत ही गौरवपूर्ण सत्र है। ये मानसून सत्र राष्ट्र के लिए एक अपने आप में विजयोत्सव का रूप है। और जब मैं कहता हूं कि ये सत्र राष्ट्र गौरव और विजयोत्सव का सत्र है, तो सबसे पहले तो मैं पहली बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भारत का तिरंगा झंडा वहां लहराना ये हर देशवासी के लिए गौरव के पल हैं। देश में विज्ञान तकनीक के प्रति, नवाचार के प्रति, नया उमंग और उत्साह भरने वाली ये सफल यात्रा रही है।

दुकानों के विवरण प्रदर्शित करने की याचिका पर केंद्र, राज्यों को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दुकानों समेत अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के प्रवेश द्वार पर संबंधित मालिकों के नाम और संपर्क विवरण प्रदर्शित करने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर केंद्र के अलावा राज्य सरकारों और भारतीय विधि आयोग को सोमवार को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर यह आदेश पारित किया। उनकी याचिका में उपभोक्ताओं के खरीदे गए उत्पादों के बारे में 'जानने के अधिकार' के तहत दुकान मालिक/विक्रेताओं के विवरण अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने की मांग की गयी है। शीर्ष अदालत के समक्ष गुहार लगाते याचिकाकर्ता ने केंद्र और राज्यों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिए जाने को कहा है कि प्रत्येक वितरक, डीलर, व्यापारी, विक्रेता और दुकान मालिक संबंधित प्रवेश द्वारों पर पंजीकरण विवरण प्रदर्शित करें। इनमें संबंधित व्यक्तियों के नाम, पता, फोन नंबर और कर्मचारियों की संख्या शामिल होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल कांवड़ यात्रा के दौरान एक अंतरिम आदेश पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि दुकान मालिकों/विक्रेताओं को अपनी पहचान उजागर करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। इस बीच, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों द्वारा कांवड़ यात्रा मार्गों पर खाद्य विक्रेताओं को अपने बैनरों पर क्यूआर कोड स्टिकर लगाने का निर्देश दिया है, इसके खिलाफ भी शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की गयी है।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा निर्देश

- 60 वर्षों से विस्थापन झेल रहे परिवारों को मिलेगा भूस्वामी अधिकार, जिलाधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी।

यूपी में नदियां उफान पर, बुंदेलखंड में नदी-नालों ने 15 साल का रिकार्ड तोड़ा

- अगले 24 घंटे में प्रदेश में 56 जिलों में बारिश का अलर्ट, पश्चिम यूपी के 10 जिलों में भारी बारिश की संभावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। पहाड़ों के साथ मैदानिक व स्थानीय स्तर पर हो रही बारिश के चलते उत्तर प्रदेश में नदियां इन दिनों में अपने रौद्र रूप में हैं। इस बारिश का असर सबसे ज्यादा इन दिनों प्रदेश के बुंदेलखंड के इलाकों में देखा जा रहा है। वहीं पश्चिमी यूपी में नदियां उफान पर होने से जनजीवन पर असर पड़ा है। मौसम विभाग ने इस बीच मानसून के उत्तराखंड से सटे 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मानसून के सक्रिय होने के बाद से प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से नदियां और डैम उफान पर हैं। इस बार अक्सर सूखे का मार झेलने वाले बुंदेलखंड में हुई भारी का असर देखने को मिला है। यहां के चित्रकूट की मंदाकिनी नदी, बांदा की बेतवा नदी के साथ झांसी, ललितपुर, जालौन इलाकों में आने वाले छोटी–बड़ी सभी नदियां उफान पर हैं। इसके चलते करीब 23 बांध ओवरफ्लो हो गए हैं। अगर रिकार्ड की बात की जाए तो बुंदेलखंड में 15 साल बाद ऐसा देखने को मिला है जब बारिश के चलते नदी, नाले, रपटों के पानी से सराबोर दिख रहे हैं और लोगों पर इसका असर दिख रहा है। महोबा जिले में उर्मिल बांध के सात फाटक खोलने से कैमाहा गांव में बाढ़ की चपेट में आ गया है। गांव के तीन मकान इस बाढ़ में ढह गए। वहीं घरों में चार फीट तक पानी भर गया। लोग परिवार समेत गांव छोड़कर सुरक्षित जगहों पर पालयन करने को मजबूर हैं। जा रहे। वहीं झांसी की मऊरानीपुर तहसील का बचवई गांव लगातार बारिश के चलते कट गया है। सड़क पर पांच-पांच फीट तक पानी भर गया है और लोगों को आने जाने के लिए टायर और रस्सी का सहारा ले रहे हैं।

जीआरएसई ने भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अजय' का किया जलावतरण

एजेंसी

कोलकाता। समुद्र में भारतीय नौसेना लगातार अपनी ताकतों में इजाफा कर रही है। इसी बीच कोलकाता स्थित रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने सोमवार को भारतीय नौसेना के लिए तैयार की गई आठ पनडुब्बी रोधी जलपोतों की श्रृंखला का अंतिम पोत 'अजय' सफलतापूर्वक जलावतरण किया। यह कार्यक्रम जीआरएसई के कोलकाता यार्ड में आयोजित हुआ। इस जलपोत का जलावतरण नौसेना के चीफ ऑफ मटेरियल वाइस एडमिरल किरण देशमुख की पत्नी प्रिया देशमुख के हाथों हुआ, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

जीआरएसई के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि 'अजय' समेत सभी आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोत भारतीय नौसेना के लिए विशेष रूप से डिजाइन और निर्मित किए गए हैं। इन जहाजों की लंबाई 77.6 मीटर और चौड़ाई 10.5 मीटर है। इनका डिजाइन इस प्रकार किया गया है कि ये कम गहराई वाले जलक्षेत्रों में भी प्रभावी संचालन कर सकें। इनकी प्रमुख विशेषताओं में सतही लक्ष्यों के विरुद्ध कार्रवाई, खदान बिछाने की क्षमता और तटीय क्षेत्रों में गश्त शामिल है। ये युद्धपोत हल्के टॉरपीडो, पनडुब्बी रोधी रॉकेट और अत्याधुनिक हथियारों से लैस हैं। साथ ही ये विमान के साथ समन्वित पनडुब्बी रोधी अभियान चलाने में भी सक्षम हैं।

अधिकारी ने बताया कि यह पोत तटीय जलक्षेत्रों में पनडुब्बी रोधी निगरानी के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से कम तीव्रता वाले अभियानों के लिए भी उपयुक्त है।

श्रीहरिकोटा से उपग्रह 'निसार' का प्रक्षेपण 30 जुलाई को

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और नासा का संयुक्त मिशन 'निसार' उपग्रह 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा से शाम 5 बजकर 40 मिनट पर लॉन्च होगा। 1.5 बिलियन डॉलर का यह मिशन पृथ्वी की सतह की निगरानी में मददगार होगा। निसार उपग्रह हर 12 दिन में पृथ्वी की भूमि और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा और प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में मदद करेगा। सोमवार को इसरो ने एक्स पर एक पोस्ट करके जानकारी दी कि नासा के साथ संयुक्त उपग्रह निसार का प्रक्षेपण करने के लिए तैयार हैं। 30 जुलाई, 2025 को भारतीय समयानुसार श्रीहरिकोटा से पहले संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निसार का प्रक्षेपण किया जाएगा। निसार हर 12 दिनों में पूरे पृथ्वी को स्कैन करेगा और उच्च-रिज़ॉल्यूशन, सभी मौसमों, दिन-रात के आंकड़े प्रदान करेगा। यह पृथ्वी की सतह में सूक्ष्म परिवर्तनों का भी पता लगा सकता है। यह मिशन समुद्री बर्फ की निगरानी, जहाज़ों का पता लगाने, तूफ़ान पर नज़र रखने, मिट्टी की नमी में बदलाव, सतही जल मानचित्रण और आपदा प्रतिक्रिया सहित कई महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में सहायक होगा।

रियल-टाइम निगरानी में करेगा मदद

यह तकनीक प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट, भूस्खलन और बाढ़ की रियल-टाइम निगरानी में मदद करेगा। इसलिए भी इसे भारत के लिए खास तौर पर उपयोगी माना जा रहा है। यह मिशन न केवल प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी और प्रबंधन में सहायक होगा बल्कि कृषि, जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की नमी का सटीक अनुमान लागने के लिए भी डाटा भेजेगा।

'मिनी अवाक्स' में बदलेंगे लड़ाकू सुखोई विमान

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान दुश्मन के हवाई हमलों को नाकाम करने में एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम और अवाक्स की भूमिका अहम रहने के बाद लड़ाकू सुखोई विमानों को अपग्रेड करने की तैयारी है। वायु सेना के इन लड़ाकू विमानों को विरुपाक्ष एईएसए रडार लगाकर मिनी अवाक्स में बदला जाएगा। इसके लिए डीआरडीओ ने सुपर सुखोई अपग्रेड प्रोग्राम के तहत उत्पादन साझेदार का चयन करने की प्रक्रिया शुरू की है। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के एवियोनिक्स सुइट को उन्नत करने के उद्देश्य से विरुपाक्ष रडार लगाया जाना है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई) को अधिकृत किया गया है। एलआरडीई ने विमान के लिए अत्याधुनिक येसा रडार प्रणाली के सह विकास और निर्माण के लिए साझेदार का चयन करने के लिए अनुरोध पत्र (आरएफपी) जारी किया है। इसकी तकनीक ऐसी है कि सुखोई विमानों के एएल-31एफ इंजन में बदलाव किए बिना ही रडार को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा, जिससे अपग्रेड की लागत कम रहेगी।

विरुपाक्ष रडार 350-400 किमी (कुछ दावे 455 किमी. तक) की दूरी पर लक्ष्यों का पता लगा सकता है, जो मौजूदा रडार की तुलना में लगभग 1.7 गुना ज़्यादा है। यह रडार एक साथ 64-100 लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है, जबकि मौजूदा सिस्टम केवल 15 लक्ष्यों को ट्रैक कर पाता है। एक साथ कई लक्ष्यों को ट्रैक करने से हवाई युद्ध की स्थिति में अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी जा सकती है। इसका वजन 30-40 फीसदी हल्का होने की उम्मीद है, जिससे विमान की गतिशीलता और ईंधन दक्षता में सुधार होगा। सामरिक महत्व के लिहाज से देखा जाए तो यह रडार उच्च स्वदेशी सामग्री के माध्यम से भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा। साथ ही चीन के लड़ाकू विमान जे-20 जैसे खतरों का मुकाबला करने की क्षमता को बढ़ाएगा।

- डीआरडीओ ने सुपर सुखोई अपग्रेड प्रोग्राम के तहत उत्पादन साझेदार का चयन करने की प्रक्रिया शुरू की

डीआरडीओ के मुताबिक इस रडार के लगने के बाद सुखोई की लाइफलाइन 2055 से भी आगे तक बढ़ जाएगी। विरुपाक्ष एईएसए रडार गहन निगरानी और मजबूत नेटवर्क केंद्रित युद्ध क्षमताएं प्रदान करेगा, जिससे यह लगभग एक मिनी अवाक्स के रूप में कार्य करने में सक्षम होगा, जो चीन के जे-20 जैसे स्टेल्थ विमानों का मुकाबला करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस जेट में बड़े मल्टी फंक्शन डिस्प्ले और पूर्णतः डिजिटल कॉकपिट होगा, जिससे सुखोई 4.5+ पीढ़ी का लड़ाकू विमान बन जाएगा। यह रडार, हवा से हवा, हवा से जमीन और हवा से समुद्र जैसे विभिन्न मिशनों में काम कर सकता है। यह रडार भारत में विकसित किया गया है, जो देश की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करता है।

यूपी में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत 15 हजार से अधिक अपराधियों को सजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- कोर्ट ने 19 हजार से अधिक मामलों का किया निपटारा
- वर्चुअल कोर्ट के जरिये सजा की दर में आयी तेजी
- पॉक्सो और बलात्कार के 6,075 अपराधियों को दिलायी गयी सजा

लखनऊ, 21 जुलाई (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में एक वर्ष पहले चलाए गए ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत 15 हजार से अधिक अपराधियों को कठोर सजा दिलायी गयी है। इन अपराधियों पर अपराध हत्या, डकैती, लूट, अपहरण और पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर अपराधों में मुकदमें दर्ज थे। इस दौरान गंभीर अपराध के 47 हजार से अधिक मामले चिन्हित किये गये। इनमें से कोर्ट ने 19 हजार से अधिक मामलों का निस्तारण कर अपराधियों को सजा दी। डीजी अभियोजन दीपेश जुनेजा ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि शासन के निर्देश पर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए प्रदेश भर में ऑपरेशन कन्विक्शन चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पिछले एक वर्ष में हत्या, डकैती, लूट, अपहरण, पॉक्सो एक्ट, बलात्कार और चोरी जैसे गंभीर 47,149 अपराध के मामलों को चिन्हित किया गया। इनमें से कोर्ट ने 19,584 मामलों का निर्णय करते हुए 15,641 अपराधियों को सजा सुनायी। उन्होंने बताया कि हत्या के कुल 9,942 चिन्हित मामलों में से 4,137 का निर्णय हुआ, जिनमें से 3,411 अपराधियों को सजा मिली और 726 दोषमुक्त हुए। सजा दर 82.45 प्रतिशत है। इसी तरह पॉक्सो एक्ट, बलात्कार के 27,074 मामलों में 9,140 का निपटारा हुआ, जिसमें से 6,075 को सजा और 3065 दोषमुक्त हुए। इसमें सजा दर 66.46 प्रतिशत है। इसके अलावा डकैती के 461 मामलों में 203 का निर्णय हुआ, जिनमें से 174 को सजा मिली और 29 बरी हुए। इसमें सजा दर 85.71 प्रतिशत है। लूट के 1,969 मामलों में 780 निपटारे के बाद 740 को सजा और 40 को बरी किया गया। इसमें सजा दर 94.87 प्रतिशत रही। इसके साथ ही चोरी, गृहभेदन के 7,573 मामलों में से 5,246 मामलों का निपटारा हुआ, जिसमें 5175 को सजा और 71 दोषमुक्त हुए। इसकी सजा दर 98.64 प्रतिशत है। इसी तरह अपहरण के 130 मामलों में 78 का निपटारा हुआ, जिनमें से 66 को सजा और 12 दोषमुक्त हुए। इसका सजा दर 84.61 प्रतिशत रहा। डीजी ने बताया कि ऑपरेशन कन्विक्शन को प्रभावी बनाने के लिए योगी सरकार में टेक्नोलॉजी का भी उपयोग किया गया। इसमें ई-प्रॉसीक्यूशन पोर्टल, केस ट्रैकिंग सिस्टम, वर्चुअल कोर्ट सुनवाई जैसे कई नवाचारों को अपनाया गया है। जिला स्तर पर अभियोजन अधिकारियों को प्रशिक्षित कर मामलों की त्वरित समीक्षा करवाई जाती है, ताकि दोषियों को जल्द सजा दिलवाई जा सके। अभियान से एक ओर जहां आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है, वहीं अपराधियों में कानून का भय पैदा हुआ है। कई मामलों में देखा गया है कि संगठित गिरोहों का नेटवर्क कमजोर हुआ है और अपराध की प्रवृत्तियों में कमी आई है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कन्विक्शन न केवल एक अभियान है, बल्कि यह प्रदेश में कानून के शासन की पुनर्स्थापना का प्रतीक बन चुका है।

नकबजनी गैंग का मुख्य सरगना पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कृष्णानगर थाना इलाके में नकबजनी गैंग के मुख्य सरगना को मुठभेड़ में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने तीन शातिर आरोपितों को एक दिन पूर्व गिरफ्तार कर जेल भेजा था। पुलिस उपायुक्त दक्षिण निपुण अग्रवाल ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि कृष्णानगर थाना क्षेत्र में 10 मई को हुई चोरी के खुलासे के लिए पुलिस की टीमें लगी थीं। 20 जुलाई को पुलिस ने रायबरेली निवासी सचिन उर्फ कल्लू, प्रियांशु उर्फ प्रांशु, सीतापुर निवासी सुजीत सोनी को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपितों से पूछताछ में गैंग के सरगना सूरज सोनी का नाम सामने आया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें लगाई गई। बीती देर रात पुलिस ने अनौरा मोड़ के पास मोटर साइकिल सवार सूरज को घेराबंदी की और रुकने का इशारा किया। वह बाइक मोड़कर भागने लगा। पुलिस ने उसका पीछा किया तो बदमाश ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश सूरज को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पकड़े गए आरोपित सरगना सूरज सीतापुर जिले का रहने वाला है। उस पर लखनऊ में 19 मुकदमे पंजीकृत हैं। उसके विरुद्ध गैंगस्टर का अभियोग भी पंजीकृत है। गिरफ्तार गैंग लीडर के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ी भीड़,मनकामेश्वर मंदिर में लगी कतार

लखनऊ। सावन के पवित्र महीने का दूसरा सोमवार आज है। राजधानी लखनऊ के शिवालयों में भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। डालीगंज स्थित प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर, चौक के कोनेश्वर महादेव मंदिर, सदर के द्वादश ज्योतिर्लिंग, राजेंद्र नगर के महाकाल मंदिर समेत सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। हजारों श्रद्धालु अलसुबह से ही जलाभिषेक कर रहे हैं। मंदिरों में रूद्राभिषेक हो रहे हैं। सावन का दूसरा सोमवार ज्योतिषीय दृष्टि से भी विशेष माना जा रहा है, क्योंकि एक साथ कई शुभ योग बन रहे हैं। डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में भोर 3.30 बजे मंगला आरती के बाद गर्भगृह के पट खोले गए। इससे पहले महंत देव्या गिरि के नेतृत्व में शिव का भव्य श्रृंगार और अभिषेक किया गया। दर्शन के लिए महिला और पुरुषों की लाइनें अलग-अलग लगी हैं। मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। मुख्य द्वार पर मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी निगरानी और पीछे के द्वार से निकासी की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु गर्भगृह में प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन जलधारी पर जल चढ़ाकर दर्शन का लाभ ले रहे हैं। पुजारियों के माध्यम से ही प्रसाद चढ़ाया जा रहा है। व्रती श्रद्धालुओं को फलाहार, खीर और देसी घी से बना प्रसाद वितरित किया जा रहा है। ठंडाई की भी विशेष व्यवस्था की गई है। रात 12 बजे तक दर्शन के लिए पट खुले रहेंगे, हालांकि रात 8 बजे की आरती से पहले एक घंटे के लिए पट बंद होगा। हरियाली, श्रद्धा और शांति के इस माहौल में राजधानी का सावन पूरी तरह शिवमय हो गया है। मंदिरों में भक्ति गीत गूंज रहे हैं। महिलाएं व्रत रखकर पारंपरिक परिधान में तीज और सावन की खुशियां मना रही हैं। कांवड़िए और भक्त भोलेनाथ की भक्ति में डूबे हैं। सावन का यह दूसरा सोमवार राजधानी के लिए सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि परंपरा, सुरक्षा और श्रद्धा का अनोखा संगम बनकर सामने आया है।

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा की बैठक 22 जुलाई को

लखनऊ। अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा की आवश्यक बैठक कल 22 जुलाई को अपराह्न एक बजे संगठन के मुख्यालय में आयोजित की जा रही है। बैठक में सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये भावी कार्यक्रमों के साथ संगठनात्मक ढांचे के विस्तार पर चर्चा की जायेगी। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के समक्ष कुर्सी रोड स्थित संगठन मुख्यालय में होने वाली इस बैठक की जानकारी देते हुये पार्टी कार्यालय सचिव अतुल त्रिवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में संगठन को देशभर में विस्तारित करने के लिये नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की भी घोषणा की जायेगी।

नगर निगम के घूस मांगने वाले बाबू के खिलाफ एक्शन,जोन 1 से हटाया गया

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम जोन-1 में तैनात बाबू मनोज कुमार आनंद का रिश्वत मांगने का वीडियो सामने आया था। मामले में नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कार्रवाई करते हुए मनोज आनंद को मुख्यालय से अटैच कर दिया है। इस दौरान विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नगर आयुक्त ने बताया कि शिकायत के बाद यह एक्शन लिया गया है। वहीं, जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर भी एक महिला से रुपए मांगने के आरोप का मामला सामने आया है, जिसमें अभी जांच की जा रही। आरोप था कि म्यूटेशन की फाइल तेजी से निपटाने के बदले 50 हजार रुपए की मांग की थी। लाल कुआं वार्ड के रामपाल अधिकारी से रुपए मांगने का आरोप है। वीडियो पर नगर निगम प्रशासन हरकत में आया। चीफ टैक्स एसेसमेंट ऑफिसर (सीटीएओ) अशोक सिंह ने जोनल अफसर ओपी सिंह से तत्काल रिपोर्ट मांगी। जांच में बाबू प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। इसके बाद सीटीएओ ने नगर आयुक्त को कार्रवाई की संस्तुति भेज दी थी। रामपाल अधिकारी मार्ग की रहने वाली ऊषा दीक्षित और आशा दीक्षित के भवन का म्युटेशन प्रभाकर त्रिपाठी के नाम पर होना था। इसके लिए 19 जून 2025 को जोन-1 कार्यालय में आवेदन किया गया था। म्युटेशन की फाइल बाबू मनोज आनंद को सौंपी गई। आरोप है कि बाबू ने 15 जुलाई को आवेदक को बुलाया और काम जल्दी कराने के बदले 50 हजार रुपए की मांग की। बातचीत में सौदा 40 हजार रुपए में तय हुआ।

मतदाता सूची का रिवीजन राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए: केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में मतदाता सूची के रिवीजन का जहां विपक्षी पार्टियां विरोध कर रही हैं वहीं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूची के रिवीजन कराने की मांग की है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि मतदाता सूची के रिवीजन से इंडी ठगबंधन की 'डिवीज़न' की रणनीति 'चरमरा' गयी है। इसलिए उनका शोर मचाना लाज़िमी है। इसके बल पर ही कांग्रेस और उसके पिछलग्गू मसलन सपा व राजद जैसे दल अभी तक अपनी राजनीति चमकाते रहे हैं। इसलिए रिवीजन का नेक कार्य केवल बिहार ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अति शीघ्र करना चाहिए। एक दूसरे ट्वीट में केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा कि हर शिव भक्त, राम भक्त, कृष्ण भक्त, कुंभ स्नानार्थी, माँ दुर्गा या गणपति के उपासक, रामलीला देखने - करने वाले को अक्सर भाजपाई मान लिया जाता है। इस पर हमें गर्व है। जब यह धार्मिक आयोजन शांतिपूर्वक चलते हैं, तब कुछ असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने की साज़िश करते हैं। कभी स्कूल बसों पर हमला, कभी यात्रियों या सुरक्षाबलों से झड़प। ऐसे कृत्य भक्ति नहीं बल्कि विरोधी राजनीतिक दलों और अराजक तत्वों की साज़िश होती है। कांवड़ यात्रा सहित ऐसी हर घटना की निष्पक्ष जाँच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना योगी सरकार की प्राथमिकता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- स्टॉप डायरिया अभियान के जरिए जगाई जा रही जागरूकता की अलख

लखनऊ। शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना योगी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। इसके लिए पूरे प्रदेश में डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) चलाया जा रहा है। 31 जुलाई तक चलने वाले अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से डायरिया के प्रति जन जागरूकता की अलख जगाई जा रही है। डायरिया से बचाव, कारण, रोकथाम व उपचार से जुड़े संदेशों वाले पोस्टर-बैनर व आडियो/वीडियो से सुसज्जित वाहन गली-मोहल्लों में पहुंच रहे हैं और लोगों को जागरूक बना रहे हैं। स्कूली बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर जागरूकता के सन्देश जन-जन तक पहुंचाए जा रहे हैं। दीवार लेखन और सार्वजनिक स्थलों पर ओआरएस-जिंक कार्नर बनाए गए हैं, निजी अस्पतालों को भी इस अभियान से जोड़ा गया है। डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम का किया जा रहा संचालनयोगी सरकार की ओर से डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने, लोगों को ओआरएस और जिंक की महत्ता को भलीभांति समझाने के लिए पूरे प्रदेश में वृहद स्तर पर चलाये जा रहे स्टॉप डायरिया कैम्पेन की इस साल की थीम डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान तय की गयी है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके तहत जिलों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिसमें विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं भी स्वास्थ्य विभाग के सहयोग में जुटी हैं। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इण्डिया (पीएसआई इण्डिया) और केनव्यू ने स्टॉप डायरिया कैम्पेन में सहयोग के लिए डायरिया से डर नहीं जैसा कार्यक्रम संचालित कर एक अनूठी पहल की है। स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस और जिंक कार्नर बनाए गए सीएम योगी के निर्देश पर पीएसआई इण्डिया पहले चरण में प्रदेश के सात जिलों फिरोजाबाद, मथुरा, मुरादाबाद, बदायूं, उन्नाव, गोंडा और श्रावस्ती में शुरू की गयी है। इसके तहत स्वास्थ्य केन्द्रों पर ओआरएस और जिंक कार्नर बनाये गए हैं, निजी अस्पतालों का भी इसमें सहयोग लिया जा रहा है और उनसे क्लिनिक में ओआरएस कार्नर बनाने व डायरिया केस की रिपोर्टिंग की अपील की जा रही है। मृत्यु दर की प्रमुख वजहों में शामिल है डायरियाराष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि इस साल 16 जून से 31 जुलाई तक यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। अभियान से पूर्व आशा कार्यकर्ताओं की ओर से गांव के पांच साल तक के बच्चों की सूची तैयार कराई जा चुकी थी, ऐसे बच्चों वाले घरों के सदस्यों को ओआरएस और जिंक की महत्ता को भलीभांति समझाया गया है। ओआरएस के पैकेट भी इन बच्चों के परिवार वालों को प्रदान किये गए हैं कि ताकि आपात स्थिति में वह उसका आसानी से इस्तेमाल कर सकें। मां का दूध पीने वाले बच्चे को दस्त के दौरान भी कराएं स्तनपानराष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश के महाप्रबंधक बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. मिलिंद वर्धन का कहना है कि आज भी शून्य से पांच साल तक के बच्चों की मौत का एक प्रमुख कारण डायरिया है, जबकि दस्त की रोकथाम और उपचार पूरी तरह संभव है। बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए।

बच्चों को शिक्षण सामग्री और बैग बांटे, बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित महामना मालवीय मिशन के बाल निकेतन छात्रावास में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक राजेश गुप्ता ने छात्रावास के सभी बच्चों को शिक्षण सामग्री और स्कूल बैग वितरित किए। छात्रावास में वर्तमान में 22 बच्चे रह रहे हैं। महामना मालवीय मिशन इन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा है। मिशन द्वारा बच्चों के भोजन, आवास और अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था भी की जाती है। यह प्रयास समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा के माध्यम से बेहतर भविष्य देने के लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम में मालवीय मिशन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें रजनीश कुमार, अभिषेक दुबे, रूही तिवारी, तुला राम निमेश, राजेश अधौलिया, सुधाकर अवस्थी और प्रदीप मिश्रा शामिल थे। वक्ताओं ने बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाया। उन्होंने बच्चों को जीवन में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। मिशन की ओर से बैंक ऑफ बड़ौदा के सहयोग के लिए आभार जताया गया।

अनुकल्प, सृष्टि और दिव्यांशी ने जीती जोनल ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता

- सेंट थॉमस मिशन स्कूल में हुयी एएसआईएससी,जोनल स्तरीय ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सेंट थॉमस मिशन स्कूल में ए.एस.आई.एस.सी. जोनल स्तरीय ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में अनुकल्प, सृष्टि और दिव्यांशी ने अपने-अपने वर्गों में बाजी मार ली। इस प्रतियोगिता में 19 विद्यालयों के 49 विद्यार्थियों ने भाग लिया, प्रतियोगिता सब जूनियर, जूनियर तथा सीनियर स्तर पर हुयी। प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों ने प्रत्येक स्तर पर आकर्षक एवं सुन्दर चित्र बनाकर अपनी कला का उत्तम प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के सब जूनियर वर्ग में सिटी मांटेसरी स्कूल गोमतीनगर के अनुकल्प सिंह प्रथम स्थान पर रहे जबकि मॉडर्न एकेडमी की मैमुना जावेद द्वितीय एवं वंशिका कश्यप, सेंट थॉमस व देवांशी त्रिपाठी गुरूकुल अकादमी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। इसी तरह जूनियर वर्ग में सेंट थॉमस मिशन स्कूल की सृष्टि शर्मा प्रथम, अनुशा राशिद, लखनऊ पब्लिक स्कूल व संसृति, सेठ एमआर जयपुरिया संयुक्त रूप से द्वितीय एवं वैशाली रॉय, गुरुकुल एकेडमी तृतीय स्थान पर रहे। इसके अलावा सीनियर वर्ग में दिव्यांशी सिंह, रिवरसाइड एकेडमी, प्रथम, प्रशस्ति सिंह-सिटी मांटेसरी स्कूल, गोमतीनगर, द्वितीय एवं राशिका जायसवाल, सेंट थॉमस मिशन स्कूल तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में पंकज प्रख्यात चित्रकार तथा उनकी सहयोगी उपस्थित थे। जिनके द्वारा गठित निर्णायक दल ने प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों में विजेताओं का चयन किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक फादर जेसन जोसफ तथा प्रधानाचार्या रूपम दुबे सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

नशे में धुत युवक ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ा, पुलिस ने समझाकर उतारा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नाका इलाके में नशे में धुत युवक ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ गया। 15 मिनट तक हंगामा करता रहा। युवक को ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ा देखकर आसपास भीड़ जमा हो गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को समझाकर नीचे उतारा। पूछताछ के लिए उसे थाने ले गई। गनीमत रही कि इस दौरान बिजली नहीं थी, वर्ना बड़ा हादसा हो जाता। घटना सोमवार सुबह नाका चौकी स्थित सुदर्शन सिनेमा के पास हुई। इंस्पेक्टर नाका वीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया युवक की पहचान छत्तीसगढ़ के रहने वाले संतोष के रूप में हुई है। वो छत्तीसगढ़ से हिमाचल प्रदेश जाने के लिए निकाला था। अंबाला स्टेशन से हिमाचल की ट्रेन पकड़नी थी। गलती से लखनऊ की ट्रेन में बैठ गया। लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन से उतरकर बाहर आया। उसके बाद इधर-उधर भटक रहा था। इस दौरान उसने नशा कर लिया। उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई। नशे में बिजली के ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ गया। संतोष के भाई से फोन पर बात हुई है। वो उसे लेने के लिए आ रहा है।

यूपी के मत्स्य पालक प्रतिवर्ष कमा रहे करोड़ों, औरों को भी दे रहे रोजगार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- वाराणसी के विक्रांत पाठक ने 42 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की बेस फिश फॉर्मिंग
- जौनपुर की मीरा सिंह ने एक एकड़ से शुरू मत्स्य पालन आज 25 एकड़ में फैला
- डबल इंजन सरकार के संकल्प से सफलता तक पहुंच रहे मत्स्य पालक

लखनऊ। युवा हों या महिलाएं, डबल इंजन सरकार का साथ, मत्स्य विभाग का मार्गदर्शन और अपनी मेहनत से सफलता की नई कहानी लिख रहे हैं। एक तरफ मत्स्य पालन से स्वरोजगार कर सफलता पथ पर अग्रसर हैं तो दूसरी तरफ कइयों को रोजगार देकर उनके जीवन में नई रोशनी जला रहे हैं। ऐसी ही कहानी वाराणसी के विक्रांत पाठक और जौनपुर की मीरा सिंह की है। इन्होंने मोदी-योगी सरकार के मार्गदर्शन में योजनाओं का लाभ लेकर अपनी अलग पहचान बना ली है।

वाराणसी के पिंडरा विकासखंड के चुप्पेपुर पोस्ट के पिंडराई ग्राम निवासी विक्रांत पाठक ने एक हेक्टेयर भूमि पर तालाब बनाकर मत्स्य पालन प्रारंभ किया था। प्रारंभिक लाभ कम होने पर उन्होंने मत्स्य विभाग से संपर्क कर तकनीकी सहायता प्राप्त की और वैज्ञानिक विधियों को अपनाया। विक्रांत पाठक ने दो हेक्टेयर निजी व 40 हेक्टेयर लीज भूमि का उपयोग कर बेस फिश फॉर्मिंग विकसित किया। नाबार्ड के सहयोग से एफपीओ गठित कर 150 मत्स्य पालकों को जोड़ा। साथ ही 30-40 लोगों को रोजगार भी प्रदान किया। विश्व बैंक की टीम ने 27 मई 2025 को उनके फॉर्म का भी निरीक्षण किया। आज पिंडरा ब्लॉक में वैज्ञानिक विधियों से मत्स्य बीज उत्पादन पर उनका जोर है। वे साढ़े चार-पांच लाख पंगेसियस बीज का संचयन व दो उत्पादन चक्रों में चार हजार से 4500 कुंतल उत्पादन कराने में भी सफल हो रहे हैं। 2024-25 में सात लाख पंगेसियस व 30 हजार आईएमसी बीज का संचालन भी वहां किया जा रहा है। यही नहीं, युवाओं को रोजगार सृजन का रास्ता दिखाने वाले विक्रांत वर्तमान में मत्स्य पालन से एक से डेढ़ करोड़ रुपये वार्षिक आमदनी भी कर रहे हैं। योगी सरकार से मिले सहयोग-मार्गदर्शन के लिए आभार जताते हुए विक्रांत कहते हैं कि उनका लक्ष्य एफपीओ का विस्तार कर 500 किसानों को जोड़ना है। उत्पादन क्षमता के साथ ही गुणवत्ता में भी सुधार पर जोर देते हुए वे समावेशी ग्रामीण विकास में योगदान जारी रखेंगे। जौनपुर के शाहगंज तहसील के सुइथाकला विकास खंड के ग्राम बुढ़ूपुर की मीरा सिंह ने तालाब निर्माण (नीली क्रांति) मत्स्य बीज हैचरी से प्रगतिशील मत्स्य पालक के रूप में अपनी पहचान बनाई। मीरा सिंह ने 2020-21 में एक एकड़ में मत्स्य पालन की शुरुआत की थी। स्वावलंबन में पति जैनेंद्र सिंह ने भी उनका बखूबी साथ निभाया। मत्स्य बीज हैचरी स्थापना के लिए विभाग की तरफ से मीरा सिंह को 15 लाख रुपये का अनुदान भी दिया गया था। विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने वैज्ञानिक ढंग से मत्स्य पालन का विस्तार किया। मीरा सिंह के यहां प्रारंभिक उत्पादन महज 20 कुंतल प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष होता था। 2024-25 में वे 25 एकड़ में मत्स्य पालन कर रही हैं, जहां से 1400 कुंतल प्रति हेक्टेयर वार्षिक उत्पादन हो रहा है। उनके तालाब से 1250 कुंतल पंगेशियस, 60-60 कुंतल रोहू व भाकुर, 30 कुंतल मृगल का उत्पादन हो रहा है। मीरा सिंह अब आसपास के गांवों में भी मत्स्य बीज की आपूर्ति कर रही हैं। क्षेत्रीय किसानों के लिए प्रेरणा बनीं मीरा सिंह 10 से अधिक लोगों को रोजगार भी दे रही हैं। मत्स्य विभाग के निदेशक एनएस रहमानी कहते हैं कि मत्स्य पालन कर युवाओं, महिलाओं ने सफलता की नई कहानी लिखी है, जो उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं की प्रभावशीलता और जमीनी स्तर पर सफलता को दर्शाती है। प्रदेश सरकार के नेतृत्व में समाज के सभी वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। मत्स्य पालन जैसी विभिन्न योजनाओं से जुड़कर भी लोग आत्मनिर्भर और प्रदेश के आर्थिक विकास में सहभागी बन सकते हैं।

संसद में सर्वसमाज के हित में हो सार्थक चर्चा: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने संसद के आज से शुरु हुएमानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष से अपेक्षा की है कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और भाषा विवाद जैसे सर्वसमाज से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस होगी। मायावती ने लिखा ''संसद का आज से शुरू हो रहा बहुप्रतीक्षित सत्र, पिछले सत्रों की तरह देशहित व जनहित के अहम और अति-जरूरी मुद्दों पर उचित एवं समुचित बहस तथा किसी बेहतर परिणाम के बिना ही, सरकार और विपक्ष के बीच टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, हंगामा तथा देश के करोड़ों गरीब व अन्य मेहनतकश बहुजनों के थोड़े अच्छे दिन की ओर सही से आगे बढ़ने के भरोसे के बेगैर ज्यादातर निराश करने वाला ना हो, इसकी सभी देशवासियों को चिन्ता स्वाभाविक। मायावती ने कहा, ''वैसे भी देश के सामने जबरदस्त महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी, महिला असुरक्षा तथा खघसकर क्षेत्र व भाषा आदि को लेकर बढ़ता आपसी विवाद व हिंसक टकराव आदि के जनहित की समस्यायें के साथ ही आन्तरिक व बाहरीध्सीमा सुरक्षा जैसी देशहित के मुद्दे लोगों की सुख-शान्ति व समृद्धि के संघर्ष को प्रभावित कर रहे हैं, तथा इन मामलों पर सार्थक बहस के आधार पर आगे की दीर्घकालीन ठोस नीति व रणनीति बनाकर उन पर अमल के लिए संसद का सुचारू रूप से संचालन जनता जरूरी समझती है, ताकि देश विकास व लोग तरक्की के रास्ते पर सहीध्आसानी से चल सके, जिसमें ही देश के सर्वसमाज एवं बहुजनों का हित निहित है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया बाबा सुनासीर नाथ मंदिर का भ्रमण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को आज जिलाधिकारी अनुनय झा ने पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन के साथ मल्लावां स्थित बाबा सुनासीर नाथ मंदिर का भ्रमण किया। उन्होंने मेले व कावड़ यात्रा की समस्त व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से व्यवस्थाओं को लेकर संवाद किया। श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं को लेकर संतुष्टि जताई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की मंदिर में व्यवस्था को सुचारु रखा जाए। साफ सफाई की उचित व्यवस्था की जाए। मंदिर में जलाभिषेक हुआ प्रसाद चढ़ाने के लिए बेहतर व्यवस्था की जाए। मेडिकल टीम मेला स्थल पर लगातार तैनात रखा जाये। मेले में आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग की सुचारु व्यवस्था बनाई जाए। वाहनों को बेतरतीब ढंग से न खड़े होने दिया जाए। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि मेले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस टीम लगातार सक्रिय रहे। अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बिलग्राम पूनम भास्कर व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में प्राप्त हुईं 133 शिकायतें, अब तक बने 206 आयुष्मान कार्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों को शिकायतों को सुना। जन सुनवाई में कुल 133 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। जन सुनवाई में पात्रों की वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन बनवायी गयी। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनवाये गए। आज कुल 06 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बने। इस प्रकार अब तक जिलाधिकारी अनुनय झा की जन सुनवाई में कुल 206 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि पैमाइश व अंश निर्धारण के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। चकरोड पर कब्जे के मामले में शिकायत होने पर त्वरित कार्रवाई की जाये। भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों में विलम्ब न किया जाये। जन सुनवाई के दौरान राजकुमार नाम के एक व्यक्ति की रुकी हुई पेंशन चालू करायी गयी। उनके बेटे को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से धनराशि दिलाने के लिए जिलाधिकारी ने तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संजू देवी नाम की महिला को निराश्रित महिला पेंशन से आच्छादित कराया गया तथा उनके दो बच्चों को बाल सेवा योजना का लाभ दिलाया गया। राकेश नाम के आँखों से दिव्यांग व्यक्ति को जिलाधिकारी ने छड़ी दिलाने व उनके दो बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी एवं अन्य सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कई रोचक खेलों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन इनरव्हील क्लब द्वारा क्लब की वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी निरमा देवी के आवास पर हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इनरव्हील प्रार्थना के साथ हुआए जिसके पश्चात क्लब अध्यक्ष पारूल तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया कार्यक्रम में कई रोचक खेलों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कजरी गीत प्रतियोगिता में नेहा नारायण ने प्रथमए अंजू पांडे ने द्वितीय तथा सीमा गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर सभी सदस्य हरे वस्त्र धारण कर झूले का आनंद लेते नजर आए। इस अवसर पर चार्टर प्रेसिडेंट एवं जेड पीसी चित्रा बाजपेयी, सीजी आर अनुराधा मिश्रा, डॉ० शिवानी मिश्रा, प्रीति तिवारी, सोहिनी दीक्षित, नीलम सिंह, राखी द्विवेदी, रागिनी तिवारी, रेनू शुक्ला, प्रीति वर्मा, शिल्पी रस्तोगी, चेतना शुक्ला, अनीता मिश्रा, गीता त्रिवेदी, प्रज्ञा अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में निरमा देवी, अनीता मिश्रा एवं प्रज्ञा अग्रवाल का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। उपाध्यक्ष इंदु बाला शुक्ला ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया।

कावड़ियों के लिए बेहटा धीरा में कांवड़ सेवा शिविर शुरू

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बेहटा गोकुल (हरदोई)। कांवड़ में पवित्र गंगाजल लेकर सकाहा मंदिर जा रहे शिवभक्त कांवड़िये का बेहटा धीरा स्थिति कालसेन मंदिर के निकट शाहजहांपुर हरदोई हाइवे पर शिविर का शुभारंभ भाजपा नेता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा की इस शिविर से भक्तो के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध है भोजन आदि 24 घंटे उपलब्ध है। आयोजक खुशीराम गुप्ता ने बताया कांवड़ियों की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोत्तरी हो रही है। अलग-अलग जत्थों में कांवड़ियों का रैला दिनभर लगातार चलता रहता है। कांवड़ियों की संख्या बढ़ने के साथ ही बेहटागोकुल पुलिस प्रशासन भी सतर्कता बढ़ा रहा है। कांवड़ मार्ग पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगी हुई है। अधिकारी लगातार कांवड़ मार्ग पर भ्रमण कर रहे हैं, ताकि कांवड़ियों को किसी तरह की परेशानी न हो सके। कांवड़ियों के आगमन को देखते हुए कालसेन मंदिर पर तरह कांवड़ सेवा शिविर में सैकड़ों कांवड़ियों ने शिविर में पहुंचकर आराम किया और भोजन व नाश्ता आदि ग्रहण किया। आयोजक खुशीराम गुप्ता ने बताया कि शिवभक्तों के लिए शिविर शुरू हो चुका है। कांवड़ियों के लिए 24 घंटे ठहरने, खाने पीने, दवा आदि की व्यवस्था रहेगी। शिविर 9 अगस्त तक चलेगा। इस मौके पर भारत स्वरूप मोहनलाल गुप्ता, शैलेंद्र सिंह त्यागी, संतोष सिंह, गौरव, विनीत सिंह, ऋषभ सिंह, श्रीकांत सहित भक्तगण उपस्थित रहे।

शराब दुकान के चौकीदार को गन प्वाइंट पर लेकर चोरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के रूपापुर में पुलिस चौकी के निकट स्थित देसी शराब एवं अंग्रेजी शराब व बीयर की कंपोजिट दुकान में लगभग 2 बजे अज्ञात चोरों ने चौकीदार को गन प्वाइंट पर लिया और दोनों दुकानों के शटर तोड़कर नगदी और शराब चोरी कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कम्पोजिट दुकान में अंग्रेजी शराब के सेल्समैन अनुसार चोर दुकान का शटर तोड़कर 90 हजार रुपए की नगदी व एक पेटी शराब चोरी कर ले गए। देसी शराब के सेल्समैन के अनुसार चोरों ने आगे से शटर तोड़ा और चार से 5 हजार रुपए की नगदी चोरी कर ले गए तथा दुकान की पीछे की दीवार तोड़कर पन्द्रह क्वार्टर देसी शराब भी चोरी कर ली। चोर दोनों दुकानों में लगे सीसीटीवी के डीवीआर भी साथ ले गए। सोमवार सुबह चोरी की जानकारी होने पर आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। फ्लिहाल पुलिस के मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है और तहरीर प्राप्त होने पर कार्रवाई करने की बात कही है।

बंद पड़े मकान को चोरों ने बनाया निशाना

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कछौना थाना क्षेत्र के अंतर्गत लोनहरा ग्राम सभा के भगत पुरवा मजरा में रविवार की रात चोरों ने एक बंद पड़े मकान में घर का ताला तोड़कर जेवर समेत लगभग रूपये 500000 की चोरी की घटना को अंजाम दिया है परिवार के मुखिया सदीक अली जीवन यापन के लिए परिवार समेत लुधियाना में रहते हैं। वही जब घटना की जानकारी सुबह रिश्तेदारों व गांव वालों को हुई तो उन्होंने इसकी सूचना तुरंत डायल 112 को दी इसके बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने अपने उच्च अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा वह अन्य माध्यमों से प्रयास में जुटी है। क्षेत्र में हो रही इस तरह की घटनाओं से लोगों में भय व आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली ने छात्र को रौंदा, मौत

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शहर कोतवाली क्षेत्र में मुन्नेमियां चौराहे के पास एक 8 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। मृतक छात्र अपने बाबा के साथ साइकिल से स्कूल जा रहा था। तभी कांवड़ियों से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने उसे रौंद दिया। भिखमंगूपुरवा गांव निवासी दिव्यांशु अपने बाबा मिश्रीलाल के साथ साइकिल से स्कूल जा रहा था। तभी बिलग्राम की ओर से आ रही कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली ने मुन्नेमियां चौराहे के पास दिव्यांशु को कुचल दिया। घटना के बाद आनन-फानन में दिव्यांशु को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रैक्टर.ट्राली को जब्त कर लिया गया है। मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सर्पदंश से महिला की मौत

माधौगंज (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बोरी से कंडा निकाल रही महिला को सर्प ने डंस लिया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गयी। थानाक्षेत्र के ग्राम रमजानीपुरवा निवासी मिथिलेश (54) पत्नी श्याम लाल सोमवार की सुबह पौने आठ बजे बोरी से कंडा निकाल रही थी कि सांप ने डंस लिया। परिजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए जहां हालत बिगड़ने पर डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक महिला के पांच विवाहित पुत्र हैं जो कि पिता के साथ खेतीबाड़ी का काम करते हैं।

बिजली समस्या से ग्रसित राघोपुर फीडर, गौरी फीडर, बेरिया फीडर चौदह नंबर फीडर लगभग बंद

मल्लावाँ (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ब्लॉक इन दिनों बिजली संकट की चपेट में है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि ग्रामीणों को चौबीस घंटे में मुश्किल से दो से तीन घंटे ही बिजली नसीब हो रही है। मल्लावां पावर सब स्टेशन की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। कहें कि व्यवस्था चूर.चूर हो चुकी है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर जबरदस्त नाराज़गी है कि तकनीकी खराबी के नाम तेज हवा का हवालाए बारिश का हवालाए कर्मचारियों के न होने का हवाले पर दिन-रात अंधेरा परोसा जा रहा है, कुछ समाज सेवियों ने जैसे जितेंद्र पाठक, जावेद ने ह्वाट्सएप में बिजली समस्या समाधान ग्रुप बना रखे जिससे नगर की समस्यायों से लगभग निदान हो जाता है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में और कठिन समस्या उत्पन्न हो रही है सरकार द्वारा अठारह घंटे मिलने वाली बिजली का कोई जवाबदेही तय नहीं हो रही। अवर अभियंता एहतेशाम अहमद के हाथ से बिजली व्यवस्था फिसलती जा रही है। जबकि सरकार द्वारा बरसात से पहले सभी जनपदों को एक भारी बजट जारी किया जाता है कि जो भी खंभा व विद्युत तार से टच होने वाले पेड़ शाखाएं तीन.तीन मी दोनों तरफ से काटने के लिए बजट जारी होता है वह कागजो में ही सिमट जाता है इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ता है।

बंदरों के बढ़ते आतंक से जनता परेशान वन विभाग से की पकड़ने की अपील

मल्लावाँ (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। क्षेत्र मे लगातार बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की दवाएं छीनने से लेकर लोगों पर हमला करने तक की घटनाएं सामने आ रही हैं। सीएचसी, कोतवाली, चौराहा, लाला बाजार रोड, खादी आश्रम, सण्डीला रोड, कटरा और कन्या विद्यालय सहित कई मोहल्लों में बंदरों का आतंक है। लोगों ने छतों पर कपड़े सुखाना भी बंद कर दिया है। बंदर कपड़े उठाकर ले जाते हैं। शुक्रवार दोपहर बाद का एक ताजा मामला सामने आया। खैरुद्दीनपुर गांव निवासी बालकराम अपने 5 वर्षीय बेटे नितेश की दवाई लेने सीएचसी आए थे। दवाइयों की पर्ची लेकर निकलते ही बंदरों ने उन पर हमला कर दिया और दवाइयां छीनकर भाग गए। स्थानीय निवासियों के अनुसार कई लोग बंदरों के हमले का शिकार हो चुके हैं। कुछ लोग बंदरों से बचने के प्रयास में गिरकर घायल भी हुए हैं। नगर के अजय यादव, नरेश पटेल, संजय कुशवाहा, रामआसरे, माखनलाल और अनुज मिश्रा ने वन विभाग से बंदरों को पकड़वाने की अपील की है।

मरीजों को फल वितरण व पौधारोपण कर मनाया 52वां जन्मदिन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा शाहाबाद नगर के अध्यक्ष दीपकमल राठौर के नेतृत्व में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा जनपद हरदोई के शाहाबाद विधानसभा के सरकारी अस्पताल में डिलीवरी वार्ड में भर्ती मरीजों को फल वितरित करने के तत्पश्चात पर पौधारोपण कर शिक्षा राज्यमंत्री का जन्मदिन मनाया गया।

अध्यक्ष दीपकमल राठौर ने कहा कि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री ने विपरीत परिस्थितियों से लड़कर आज जिस तरह से राजनीति में आगे बढ़कर शाहाबाद विधानसभा का नाम रोशन किया ये समाज के लिये बहुत गर्व की बात है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा शाहाबाद नगर टीम के पदाधिकारियों द्वारा फल वितरित कर व पौधरोपण कर उनकी लम्बी उम्र की कामना की गई। भाजपा ओबीसी मोर्चा के नगर अध्यक्ष दीपकमल राठौर, नगर उपाध्यक्ष सचिन राठौर, अभय शर्मा कंचन, नगर कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार राठौर, नगर मंत्री नीरज राजपूत, आलोक शर्मा ने कहा कि मंत्री शाहाबाद विधानसभा का गौरव हैं, उन्होंने सदैव समाज के साथ साथ हर वर्ग के लोगो की मदद की है। सभी के सुख दुख में वो सदैव खड़ी रहती हैं। हम सभी को उन पर नाज है। ईश्वर से कामना है कि वो सदैव स्वस्थ रहें व इसी तरह लोगो की मदद करती रहें।

फल वितरण में भाजपा ओबीसी मोर्चा शाहाबाद नगर अध्यक्ष दीपकमल राठौर के साथ सरकारी अस्पताल के डॉक्टर जीशान, नीरज राजपूत भाजपा ओबीसी मोर्चा के नगर उपाध्यक्ष सचिन राठौर, अभय कंचन शर्मा, नगर कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार राठौर, नगर मंत्री नीरज राजपूत, आलोक शर्मा उपस्थित रहें।

17 जुलाई से 05 सितम्बर तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 लागू:-डीएम

■ बिना अनुमति सार्वजनिक स्थल पर पॉच से अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होगें: अनुनय झा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिला मजिस्ट्रेट अनुनय झा ने कहा है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत आदेश। जिला मजिस्ट्रेट अनुनय झा ने जनपदवासियों से कहा है कि जैसा कि विदित है कि वर्तमान में हिना धर्म की श्रद्धा का प्रतीक पवित्र श्रावण मास प्रारम्भ हो चुका है जो कि 08 अगस्त 2025 तक चलेगा और श्रवण मास में हिन्दु श्रद्धालुओं द्वारा कांवड यात्राएं निकाली जाती है तथा इन कांवण यात्राओं में बडी संख्या में लोग शामिल होते है एवं वर्तमान में महिला जश्रद्धालुओं द्वारा भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया जाता है और यह कावंड यात्राएं पैदल, दोपहिया वाहनों एवं टैक्टर/ट्रालियों द्वारा निकाली जाती है तथा कांवड़ यात्राओं के मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा पड़ाव डालकर रात्रि विश्राम भी किया जाता है और विगत वर्षों में कांवड यात्राओं के दौरान कतिपय विवाद की स्थिति उत्पन्न होने की स्थितियां प्रकाश में आने के कारण शान्ति एवं कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हुई है, इसके अतिरिक्त इसी मध्य दिनांक 27 जुलाई, 2025 को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा भी आयोजित होनी है, जो कि एक अत्यन्त महत्वपूर्ण परीक्षा है और परीक्षा को निर्विघ्न, सकुशल व सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षार्थियों को परीक्षा की तैयारी में तथा उसमें शामिल होने में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न होने पाये तथा वर्तमान में चल रही कावंड़ यात्राओं को दृष्टिगत रखते हुए अवांछनीय लोगों द्वारा किसी प्रकार की अनैतिक एवं अनुचित गतिविधि के कारण किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न होने पाये, इसलिए क्षेत्र में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से जनपद में धारा-163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत निषेधाज्ञा लागू किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है। विभिन्न स्रोतों से अधोहस्ताक्षरी को असामाजिक तत्वों द्वारा विधि व्यवस्था एवं परिशान्ति भंग करने के कुप्रयास का संज्ञान हो गया है और पक्षों को सुनने के लिये पर्याप्त अवसर नहीं है। अत: मै, अनुनय झा, जिला मजिस्ट्रेट, हरदोई 17 जुलाई 2025 से 05 सितम्बर 2025 तक की अवधि के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए परिशान्ति एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से जनपद हरदोई की सीमा के अन्तर्गत निम्न निषेधाज्ञा आदेश पारित करता हूँ, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि इस अवधि में बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी सार्वजनिक स्थल पर पॉच से अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होगें, किन्तु यह प्रतिबन्ध राष्ट्रीय, धार्मिक समारोहों एवं मृतक संस्कारों के विषय में लागू नहीं होगें, कोई भी व्यक्ति अपने मकान अथवा उसके परिसर में किसी प्रकार की ईट, रोड़ा, पत्थर इत्यादि एकत्रित नहीं करेगा और न ऐसा करने के लिये किसी को बाध्य अथवा प्रेरित करेगा, कोई भी व्यक्ति अपर जिला मजिस्ट्रेट/ सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट अथवा अधोहस्ताक्षरी से बिना पूर्व लिखित अनुमति के कोई आग्नेयास्त्र, लाठी, डण्डा, स्टीलराड, नुकीला व धारदार शस्त्र जैसे चाकू, भाला, वल्लम, बरछी, तलवार, छूरा आदि लेकर नही चलेगा, किन्तु यह प्रतिबन्ध ड्युटी पर तैनात अधिकारियो/कर्मचारियो पर लागू नही होगें तथा लाठी, डण्डे का सहारा लेकर चलने वाले वृद्धजन, दिव्यांगजन तथा कृपाण धारण करने वाले सिख समुदाय के लोग मुक्त रहेंगे, कोई भी व्यक्ति जनपद की सीमा में सार्वजनिक, धार्मिक स्थान अथवा गांवसभा की भूमि पर ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा, जिससे साम्प्रदायिकता अथवा वर्ग विभेद की सम्भावना उभरती हो तथा कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों व मार्गों पर परिवहन के साधनों से विस्फोटक पदार्थ लेकर नहीं चलेगा जनपद में कोई भी व्यक्ति जनसभा, प्रचार सभा तथा जुलूस आदि नगर मजिस्ट्रेट/ सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट की बिना पूर्व अनुमति के आयोजित नहीं प्राप्त के निकलने का स्थान, समय और मार्ग की सूचना स्थानीय पुलिस को कम से कम तीन दिन पहले दी जायेगी, कोई भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह न तो किसी सार्वजनिक सम्पत्ति यथा रेल, रेलपथ, बस सार्वजनिक मार्ग, बस अड्डा, विद्युत तार, खम्भे, टेलीफोन व टेलीफोन तार को न तो क्षति पहुँचायेगा और न ही ऐसा करने के लिये किसी को बाध्य अथवा प्रेरित करेगा, कोई भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह सार्वजनिक सम्पत्ति, सड़कों, रेलवे लाईनों, बस मार्गों अथवा सार्वजनिक मार्गों को न तो अवरूद्ध करेगा और न ही कोई अवरोधक बनायेगा। कोई भी व्यक्ति न ऐसा करेगा और न ही किसी को ऐसा करने के लिए बाध्य एवं प्रेरित करेगा व सार्वजनिक स्थान पर बिना अनुमति के किसी प्रकार के बैनर, पोस्टर, झण्डे आदि नहीं लगाये जायेंगे, कोई भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह किसी भी दल विशेष अथवा धर्म, सम्प्रदाय के प्रति अमर्यादित तथा भावनाओं को भड़काने वाले भाषण नहीं करेगा और न ही बैनर, पोस्टर अथवा अन्य प्रकार से ऐसा करने के लिए किसी को उकसायेगा। उन्होने कहा है कि जनपद क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का उपयोग बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के नहीं करेगा, इसके साथ ही त्योहारो के अवसर पर अनुमन्य सीमा से अधिक आवाज में लाउडस्पीकर अथवा ध्वनि विस्तारक यन्त्र नहीजायेगा। इसके अतिरिक्त उच्च न्यायालय लखनऊ के आदेशानुसार ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियत्रंण) नियम में दिये गये प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा तथा कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा, जिससे किसी धर्म, सम्प्रदाय, जाति के लोगों की भावना आहत हो या उनमें विद्वेश या तनाव पैदा हो एवं किसी भी अग्रणी व्यक्ति का पुतला लेकर चलना व फूंकना प्रतिबन्धित रहेगा इसलिए कलेक्ट्रेट परिसर, विकास भवन, अथवा अन्य किसी सरकारी कार्यालय के प्रांगण में कार्य दिवस में बिना अनुमति के धरना प्रदर्शन, जुलूस का कार्यक्रम आयोजित करना अथवा अनावश्यक रूप से भीड़ एकत्र करना प्रतिबन्धित किया जाता है और सायं 05 बजे के बाद उक्त परिसर में किसी भी दशा में एकत्रित होना अथवा धरना आदि के रूप में बैठना पूर्णतया निषिद्ध है और कोई भी व्यक्ति अपने बैग, झोला, अटैची अथवा वाहन को मजिस्ट्रेट अथवा पुलिस द्वारा चेक कराने से मना नहीं करेगा। यह प्रतिबन्ध मजिस्ट्रेट, पुलिस कर्मी तथा ड्युटी पर शस्त्र धारण करने वाले अधिकारी/कर्मचारी पर लागू नही होगा तथा कोई भी व्यक्ति मदाक पदार्थो का सेवन करके किसी सार्वजनिक स्थान पर अश्लीलता, अभद्रता अथवा आपत्तिजनक व्यवहार नही करेगा, उक्त अवधि में मनाये जाने वाले सभी त्योहार गैर पारम्परिक तरीके से नही मनाये जायेगे तथा कोई नई परम्परा स्थापित नही की जायेगी। परीक्षा केन्द्र के आस-पास 100 मी0 की परिधि के अन्दर व्यक्तियों का समूह के रूप में एकत्रित होना पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा और परीक्षा केन्द्र के आस-पास ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस व अन्य संचार सम्बन्धी उपकरण तथा आई0टी0 गजेट्स ले जाना पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा तथा परीक्षा केन्द्र के आस-पास परीक्षा के दौरान 200 मी0 की परिधि के अन्दर किसी प्रकार की फोटो स्टेट मशीन आदि का संचालन नही किया जायेगा तथा उक्त निषेधाज्ञा दिनांक 17-07-2025 से 05-09-2025 तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी और इस आदेश का उल्लंघन करना आपदा प्रबन्ध अधिनियम 2005 की धारा 51 से 60 भारतीय न्याय संहिता धारा-223 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध है, चूंकि समय कम है और तात्कालिक आवश्यकता है, इसलिये सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को व्यक्तिगत सूचना पृथक-पृथक दिया जाना सम्भव नहीं है, अत: यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किये जाते है। श्री झा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये है कि इस आदेश का प्रचार एवं प्रसार जनपद के सभी प्रशासनिक मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों के नोटिस बोर्डों पर तथा जनपद के अन्तर्गत आने वाले सभी थानों एवं नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत कार्यालय के नोटिस बोर्डों पर चस्पा करके तथा स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित कराकर मुश्तहरी कराकर भी प्रचार किया जाये।

(नमूना काबिल फरोक्त)

(सम्मन वास्ते कारोरदा उसूर तबह तलब)

(आर्डर 4 कायदा 2 व)

श्रीमान् उपजिलाधिकारी शाहाबाद महोदय, हरदोई

नम्बर **जिला** **मुद्दई**

पेशी- 28.07.2025 वाद अर्न्तगत धारा-116 रा0 सहिता

इमरान आदि **बनाम** आकाश बाबू आदि

1. मुकेश पुत्र अयोध्या प्रसाद, निवासी-536/233 महोचगंज आशिक, निराला नगर, लखनऊ।, 2. रामू पुत्र अयोध्या प्रसाद, निवासी- मोह0 मौलागंज, परगना व तहसील शाहाबाद, जिला-हरदोई।

साकिन **मुद्दाअलेह**

हरगाह **इमरान** आदि ने नाबिल बतारीख दायर की गई है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 07 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत किसी वकील के जो मुकदमा के हालात सरकार वक्त वाकिफ किया गया हो और कुछ उजारत बहाल मुतालिब के मुकदमा का जवाब दे सकेगा जिसके बाद कोई सनद हो कि जो बनाम ऐसे अदालत को दे सके कि हाजिर हो और जवाबदेही को करें। आपको लाजिम है कि उसी राज जुमला दस्तावेज पेश कार आपको लाजिम अपना जवाबदेही वक्त तालीम चाहते हैं। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर आप बरोज बुनकर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपको महसूस और फसल होगी बबावत मेरे दस्तखत और मोहर अदालत ने आज बतारीख 14 माह 07 सन् 2025 ई0 को जारी किया गया है।

इत्तिला जब

1. आपको यह आदेश दिया जाता है कि आपके द्वारा गवाह अपनी मर्जी से हाजिर न होंगे तो आप अदालत हाजी सम्मन मराद जारी करवा सकते है कि जो गवाह हो उसे जब हाजिर कराया जाय और दस्तावेज को किसी तरह से पेश करने की आप इत्तेहाक रखते है वह उससे पेश कराई जाये व शर्ते खर्चा जरूर अदालत में दाखिल करने इस अर्ज की दरख्वास्त गुजशयें।

2. अगर आप मुतालिब मुद्दई की तामील करते हैं तो आपको लाजिम है कि रूपया मय खर्चा जालित अदालत से दाखिल करें ताकि कार्यवाही इजरा डिग्री की जो डायरी जानमाल या दानों पर करना पड़े।

कन्याकुमारी की यात्रा और समुद्र की पीड़ा

हाल ही में मेरा तमिलनाडु जाना हुआ। इस बार कन्याकुमारी का प्रवास था। यहां समुद्र तट सुबह सवेरे सैर करना, सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा देखना अपने आपमें अद्भुत है, बहुत ही खूबसूरत है। कन्याकुमारी में तो इसलिए भी इसकी सुंदरता बढ़ जाती है, क्योंकि यहां तीन समुद्रों का संगम होता है। लेकिन जब हम समुद्रों की पीड़ा देखते हैं तो यह रोमांच काफूर भी हो जाता है। आज इस कॉलम में इसी यात्रा से जुड़े कुछ अनुभव साझा करना चाहूंगा, जिससे दक्षिण की प्राकृतिक सुंदरता के साथ, समुद्र की पीड़ा, और वहां के जनजीवन की भी झलक मिल सके। मैं यहां लम्बी ट्रेन यात्रा करके पहुंचा था। कन्याकुमारी, हमारे देश का अंतिम छोर है। यहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिन्द महासागर का संगम स्थल है। यहां सूर्योदय व सूर्यास्त के मनमोहक दृश्य दिखाई देते हैं। मैंने तीन दिनों तक विशाल सागर के दर्शन किए और मनोरम दृश्य की कई छटाएं देखीं। समुद्र तट पर सुबह व शाम की सैर भी की। यह कई मायनों में यादगार यात्रा रही। यहां समुद्र तट के पास ही स्वामी विवेकानंद रॉक, तिरूवल्लुवर प्रतिमा भी है। दूर-दूर तक फैला विशाल सागर, उसमें उठती-बैठती समुद्री लहरें, समुद्र तटों से टकराती उसकी आवाजें, नीले हरे समंदर की मनमोहक छटाएं। ऐसा लगता है जैसे घंटों निहारते रहो। कन्याकुमारी का हरा-भरा परिवेश, यात्रा के दौरान नारियल के लहराते पेड़, केला और रबर के पेड़ मोहते हैं। जगह-जगह तालाब भी हैं। तालाबों में कमल खिले हुए थे। लोगों के घरों में भी अच्छे किचिन गार्डन थे। केले के पेड़ तो सभी घरों में दिखाई दिए। मैं यहां विकल्प संगम की बैठक में शामिल हुआ। विकल्प संगम, एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें क्षेत्रीय और मुद्दों पर अलग-अलग हिस्सों में गोष्ठियां होती हैं। वैकल्पिक करने वाले जो समुदाय, व्यक्ति, समूह और संस्थाएं काम कर रही हैं, उनके अनुभव सुने-समझे जाते हैं और एक दूसरे से सीखा जाता है। इसके माध्यम से आपस में विचारों का आदान-प्रदान करने, गठजोड़ मजबूत करने और मिलजुल कर बेहतर भविष्य बनाने की कोशिश की जाती है। यहां आर्थिक संगम आयोजित किया गया था। यात्रा के दौरान मैंने दक्षिण भारतीय भोजन का आनंद लिया। जिसमें दाल, पायसम, गुडादाल, अबीइल, रस्म, केसरी, इडली सांभर, दोसा, वड़ा, पकोड़ा, चटनी इत्यादि शामिल थे। इस दौरान, मैं स्थानीय महिला संगठन मालार के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से भी मिला। मालार यानी (महालिर एसोसिएशन फॉर लिटरेसी अवेयरनेस एंड राइट्स), यह एक महिला संगठन है, जो संपूर्ण साक्षरता अभियान के बाद सामाजिक गतिविधियों से उभरा है। उनके मुख्य कार्यालय नागरकोइल में गया। उनकी बस्ती में जाकर उनके सदस्यों से मिला। इस संगठन के करीब 2000 बचत समूह हैं, जिनसे 30,000 से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हैं। इस संगठन ने महिलाओं को एकजुट करना, फिजूलखर्ची कम करना और बचत करना। छोटे-छोटे ऋणों के माध्यम से सामाजिक आर्थिक विकास करना। सामाजिक और आर्थिक मुद्दों में शामिल होना। महिला नेतृत्व के विकास पर जोर दिया है। उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मलार के काम को समझने के लिए फील्ड विजिट भी की गई। मैं नागरकोइल की एक बस्ती में भी गया। वहां की महिलाओं ने बताया कि उनका बचत समूह 25 साल से चल रहा है। उनके समूह में 20 सदस्य हैं। हर हफ्ते प्रति सदस्य 100 रूपए जमा करते हैं, यानी प्रति माह 400 रूपए। यह राशि जमा होती है और सदस्यों को जरूरत पड़ने पर ऋ ण के रूप में दी जाती है। सब्जी विक्रेता, डेयरी, सिलाई, मुर्गीपालन, मत्स्य पालन इत्यादि कामों के लिए ऋ ण दिए जाते हैं। इस सबका बहुत ही अच्छा असर देखने को मिल रहा है। महिलाओं के अनुसार वे आत्मनिर्भर बन रही हैं, और उनके जीवन पर सकारात्मक असर पड़ रहा है। रोजगार के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य बुनियादी सुविधाओं में भी काफी सुधार हुआ है।

कन्याकुमारी में तो इसलिए भी इसकी सुंदरता बढ़ जाती है, क्योंकि यहां तीन समुद्रों का संगम होता है। लेकिन जब हम समुद्रों की पीड़ा देखते हैं तो यह रोमांच काफूर भी हो जाता है। आज इस कॉलम में इसी यात्रा से जुड़े कुछ अनुभव साझा करना चाहूंगा, जिससे दक्षिण की प्राकृतिक सुंदरता के साथ, समुद्र की पीड़ा, और वहां के जनजीवन की भी झलक मिल सके। मैं यहां लम्बी ट्रेन यात्रा करके पहुंचा था। कन्याकुमारी, हमारे देश का अंतिम छोर है। यहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिन्द महासागर का संगम स्थल है। यहां सूर्योदय व सूर्यास्त के मनमोहक दृश्य दिखाई देते हैं। मैंने तीन दिनों तक विशाल सागर के दर्शन किए और मनोरम दृश्य की कई छटाएं देखीं। समुद्र तट पर सुबह व शाम की सैर भी की।

स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वास: तकनीक के युग में मानसिक गुलामी

डॉ सत्यवान सौरभ

आज का युग तकनीक और सूचना का है। हर हाथ में मोबाइल है, हर जेब में इंटरनेट। लेकिन क्या वास्तव में हम ज़्यादा जागरूक हुए हैं या बस स्क्रीन पर फिसलती उंगलियों के गुलाम बन गए हैं? विज्ञापन, वीडियो, मीम्स, रील्स और टोटकों की अंतहीन दुनिया में लोग उलझे हुए हैं। ''स्क्रॉल संस्कृति'' ने हमारे ध्यान की डोर काट दी है। पहले जो बातें गहराई से समझी जाती थीं, वे अब 30 सेकेंड के शॉर्ट्स और 280 कैरेक्टर की पोस्ट में सिमट चुकी हैं। हमारा मस्तिष्क सतही जानकारी से भर चुका है लेकिन ज्ञान की गहराई खो चुकी है। एक समय था जब हम अख़बार में लंबा लेख पढ़ते थे, चर्चा करते थे, विचार करते थे। अब हम ''स्क्रॉल'' करते हैं- बिना रुके, बिना सोचे। नतीजा? मानसिक थकावट, एकाकीपन, दिखावे की होड़ और डिजिटल अवसाद। लोग मुस्कुराते हुए सेल्फी पोस्ट करते हैं लेकिन भीतर से टूटे हुए होते हैं। 'हैशटैग हैप्पी' के पीछे एक गहरा खालीपन छिपा होता है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'इन्फ्लुएंसर' अब जीवन के हर क्षेत्र में सलाह दे रहे हैं- स्वास्थ्य, शिक्षा, रिश्ते, यहां तक कि अध्यात्म भी। लेकिन इनका ज्ञान सतही है और उद्देश्य? व्यूज और लाइक्स। जिन्हें खुद का मानसिक स्वास्थ्य संभालना नहीं आता, वे 'मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट' बन बैठे हैं। स्क्रॉल संस्कृति ने हमारी सोच को टुकड़ों में बाँट दिया है। एक तरफ 'माइंडफुलनेस' की बात हो रही है, दूसरी तरफ हम खुद से कटते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए लोग घंटों बर्बाद कर देते हैं लेकिन वास्तविक संवाद की शक्ति खो चुके हैं। एक क्लिक में हजारों राय मिलती हैं लेकिन उनकी वैधता कौन जाँचे? तकनीकी युग में यह उम्मीद थी कि अंधविश्वास खत्म होगा। लेकिन अब ये 'डिजिटल भूत-प्रेत' बन चुके हैं। व्हाट्सएप पर: ''रात को ये मंत्र ज़रूर पढ़ें३'' फ़ेसबुक पर: ''इस फोटो को 5 लोगों को भेजो, नहीं तो दुर्भाग्य आएगा'' यूट्यूब पर: ''पितृ दोष हटाने का चमत्कारी उपाय।'' क्या ये डिजिटल इंडिया है? या अंधविश्वास का नया किला? शिक्षित लोग भी वैज्ञानिक सोच की बजाय ''महादेव वाले अंकल'' की वीडियो से समाधान खोज रहे हैं। लोग जीवन की अनिश्चितता से डरते हैं। इस डर में वे अंधविश्वास का सहारा लेते हैं, जिससे उन्हें भावनात्मक सुरक्षा का भ्रम मिलता है। इंटरनेट पर जानकारी है, लेकिन छँटाई करने की क्षमता नहीं सिखाई गई। नतीजतन, झूठ भी सच लगता है। हर कोई मोटिवेशनल स्पीकर, लाइफ कोच, एस्ट्रोलॉजर बन गया है। बिना प्रमाणिकता के। इनका मकसद है ट्रैफिक और पैसा। बचपन में सवाल करने पर डांटा जाता है - 'श्रद्धा रखो।' यही सोच वयस्क होते ही भ्रम फैलाने वाली सामग्री को ग्रहण करने में सक्षम बना देती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, औसतन भारतीय युवा रोज़ाना 4-6 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। इस दौरान वह कितनी बार खुद से जुड़ता है? स्क्रॉल करते हुए हम दूसरों की ज़िंदगी की झलक देखते हैं- उनकी पार्टियों, छुट्टियों, खुशियों की तस्वीरें और अपनी ज़िंदगी से असंतुष्ट हो जाते हैं। यह तुलना भीतर एक बेचैनी और अवसाद को जन्म देती है। हमने जीवन को रील में बदल दिया है। जो दिखता है वही बिकता है- यही सोच आत्मा को खोखला कर रही है। नींद की कमी, ध्यान भटकाव, सोशल एंग्जायटी, आत्म-संदेह, आत्महत्या की प्रवृत्ति -ये सब स्क्रॉल संस्कृति की भेंट चढ़ते मानसिक परिणाम हैं। कई शोधों में पाया गया है कि इंस्टाग्राम, टिकटॉक और फ़ेसबुक का अधिक प्रयोग किशोरों और युवाओं में आत्म-संकोच और डिप्रेशन बढ़ाता है। टीवी चैनल्स भी अब 'रहस्यमयी मंदिर', 'भूतिया हवेली', 'ज्योतिष समाधान' जैसे कार्यक्रमों से टीआरपी बटोरते हैं। विज्ञापन कंपनियाँ भी 'राहु-केतु दोष' जैसे शब्दों से डराकर उत्पाद बेचती हैं। जब संस्थान ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण के खिलाफ काम करें, तो जनता कैसे जागरूक हो? रोज़ 1 घंटा मोबाइल-मुक्त समय बिताएं। सप्ताह में 1 दिन डिजिटल डिटॉक्स करें। रात को सोने से 1 घंटा पहले स्क्रीन न देखें। अधूरी जानकारी के आधार पर राय न बनाएं। हर बात पर शक नहीं, पर हर बात पर सोच ज़रूर हो। बच्चों को सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करें। विज्ञान, लॉजिक और तथ्य आधारित शिक्षा प्रणाली अपनाएं। स्कूलों में 'सूचना की जाँच कैसे करें' जैसे पाठ्यक्रम हों। 'फैक्ट चेकिंग' एक सामाजिक आदत बने। यू-ट्यूब पर देखी गई हर बात को सच न मानें। धर्म को आत्मा से जोड़ें, डर से नहीं। श्रद्धा का मतलब है समझना, अंधा पालन नहीं। तथाकथित चमत्कारी समाधानों की जांच-पड़ताल करें। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया था, लेकिन आज हम सबसे कट चुके हैं- खुद से भी, और समाज से भी। हम स्क्रीन पर हैं, लेकिन जीवन से बाहर हैं। हम क्लिक करते हैं लेकिन महसूस नहीं करते। सोशल मीडिया के इस कोलाहल में आत्मचिंतन की आवाज़ कहीं गुम हो गई है। आज सबसे बड़ी जरूरत है डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक वैचारिक पुनर्जागरण की। वरना ये स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वास मिलकर हमें उस अंधे युग में ले जाएंगे, जहां रोशनी होगी- सिर्फ स्क्रीन से निकलती- पर भीतर घुप्प अंधेरा होगा। ज्ञान कभी स्क्रॉल में नहीं आता, वह ठहराव माँगता है। श्रद्धा कभी अंधी नहीं होती, वह तर्क से ताकत पाती है। और आज के समय में सबसे बड़ा विद्रोह है- सोचना।

'हैशटैग हैप्पी' के पीछे एक गहरा खालीपन छिपा होता है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'इन्फ्लुएंसर' अब जीवन के हर क्षेत्र में सलाह दे रहे हैं- स्वास्थ्य, शिक्षा, रिश्ते, यहां तक कि अध्यात्म भी। लेकिन इनका ज्ञान सतही है और उद्देश्य? व्यूज और लाइक्स। जिन्हें खुद का मानसिक स्वास्थ्य संभालना नहीं आता, वे 'मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट' बन बैठे हैं। स्क्रॉल संस्कृति ने हमारी सोच को टुकड़ों में बाँट दिया है। एक तरफ 'माइंडफुलनेस' की बात हो रही है, दूसरी तरफ हम खुद से कटते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए लोग घंटों बर्बाद कर देते हैं लेकिन वास्तविक संवाद की शक्ति खो चुके हैं। एक क्लिक में हजारों राय मिलती हैं लेकिन उनकी वैधता कौन जाँचे? तकनीकी युग में यह उम्मीद थी कि अंधविश्वास खत्म होगा। लेकिन अब ये 'डिजिटल भूत-प्रेत' बन चुके हैं। व्हाट्सएप पर: ''रात को ये मंत्र ज़रूर पढ़ें३'' फ़ेसबुक पर: ''इस फोटो को 5 लोगों को भेजो, नहीं तो दुर्भाग्य आएगा'' यूट्यूब पर: ''पितृ दोष हटाने का चमत्कारी उपाय।'' क्या ये डिजिटल इंडिया है? या अंधविश्वास का नया किला? शिक्षित लोग भी वैज्ञानिक सोच की बजाय ''महादेव वाले अंकल'' की वीडियो से समाधान खोज रहे हैं। लोग जीवन की अनिश्चितता से डरते हैं। इस डर में वे अंधविश्वास का सहारा लेते हैं, जिससे उन्हें भावनात्मक सुरक्षा का भ्रम मिलता है।

भारत की आन बान और शान तिरंगा

(राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा दिवस विशेष)

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

भारत का राष्ट्रीय ध्वज, तिरंगा है, यह भारत की स्वतंत्रता और संप्रभुता का प्रतीक है। वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास प्रारंभ होता है जब भारत का राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। इसका डिज़ाइन पिंगली वेंकैया ने तैयार किया था, जो एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और कलाकार थे। भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। यह हमें तिरंगे के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। यह वह ऐतिहासिक दिन है जब संविधान सभा ने तिरंगे को आधिकारिक तौर पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज घोषित किया था। भारतीय तिरंगा, जिसे तिरंगा भी कहा जाता है भारत की आज़ादी, लोकतंत्र और विविधता का प्रतीक है। हमारे देश का तिरंगा जब शान से लहराता है तो हर भारतीय का सीना गर्व से फूल जाता है। ऐसे में इस विशेष अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें ध्वजारोहण समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण आदि शामिल है। जब भी राष्ट्रीय ध्वज को फहराया जाता है, तो यह सम्मान की स्थिति में होना चाहिये। क्षतिग्रस्त या अव्यवस्थित ध्वज को नहीं फहराना चाहिये और उसका पूरी तरह से निजी तौर पर निस्तारण कर दिया जाना चाहिये। क्षतिग्रस्त तिरंगे का निस्तारण करने के लिये दो स्वीकृत तरीके हैं, या तो उसे दफनाना या जलाना। राष्ट्रीय ध्वज का निस्तारण करते समय हमेशा इसकी गरिमा बनाए रखी जानी चाहिये। ध्वज को किसी अन्य ध्वज के साथ एक ही मास्टहेड/मस्तूल शिखर द्वारा नहीं फहराया जाना चाहिये। ध्वज को ध्वज संहिता के भाग तीन की धारा IX में उल्लिखित गणमान्य व्यक्तियों, जैसे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि के अतिरिक्त किसी भी अन्य वाहन पर नहीं फहराया जाना चाहिये। किसी अन्य ध्वज या पताका को राष्ट्रीय ध्वज से ऊँचा या ऊपर या उसके बगल में नहीं रखा जाना चाहिये। कोई भी सार्वजनिक सदस्य, कोई निजी संगठन या कोई शैक्षणिक संस्थान राष्ट्रीय ध्वज के गौरव और सम्मान के अनुरूप सभी दिनों एवं अवसरों पर, औपचारिक या अन्यथा, राष्ट्रीय ध्वज फहरा/प्रदर्शित कर सकता है। भारतीय ध्वज संहिता, 2002 में वर्ष 2021 में संशोधन करके पॉलिएस्टर या मशीन से बने ध्वज को अनुमति दी गई और फिर वर्ष 2022 में ध्वज को दिन-रात फहराने की अनुमति दी गई।भारतीय ध्वज संहिता, 2002 में दो बार संशोधन बार वर्ष 2021 में पॉलिएस्टर या मशीन अनुमति देने के लिये और फिर वर्ष 2022 को? भारत का राष्ट्रीय ध्वज दिवस देश को अंग्रेज़ों से स्वतंत्रता मिलने (15 अगस्त 1947) से कुछ दिन पहले 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को अपनाए जाने की याद में मनाया जाता है। 22 जुलाई 1947 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में भारतीय संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया। राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्रीय गौरव, एकता और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रति श्रद्धांजलि है।पंडित जवाहरलाल नेहरू ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा था, ''यह संकल्प लिया गया है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज गहरे केसरिया (केसरी), सफ़ेद और गहरे हरे रंग का समान अनुपात में क्षैतिज तिरंगा होगा। सफ़ेद पट्टी के बीच में चरखे को दर्शाने के लिये गहरे नीले रंग का एक चक्र होगा। इस चक्र का डिज़ाइन अशोक के सारनाथ सिंह स्तंभ पर बने चक्र जैसा होगा। चक्र का व्यास सफ़ेद पट्टी की चौड़ाई के लगभग बराबर होगा। ध्वज की चौड़ाई और लंबाई का अनुपात सामान्यतः 2:3 होगा। सभा ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिससे ब्रिटिश शासन के अंत के साथ स्वतंत्रता और भविष्य की समृद्धि के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।तिरंगे के तीन रंगों का अर्थ है:1. केसरिया रंग (ऊपरी हिस्सा):यह रंग बलिदान, साहस और त्याग का प्रतीक है।2. सफ़ेद रंग (मध्य हिस्सा): यह रंग शांति, सत्य और पवित्रता का प्रतीक है।3. हरा रंग (निचला हिस्सा): यह रंग उर्वरता, विकास और समृद्धि का प्रतीक है। अशोक चक्र:तिरंगे के मध्य में अशोक चक्र है, जो धर्म और न्याय का प्रतीक है। यह चक्र 24 तीलियों वाला है, जो 24 गुणों का प्रतीक है जो एक अच्छे नागरिक में होने चाहिए। तिरंगा भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक है। यह हमारे देश के लिए बलिदान देने वाले शहीदों की याद में भी खड़ा है। राष्ट्रीय ध्वज दिवस पर हमे कराना चाहिए जैसे- ध्वजारोहण: स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराया जाना चाहिए।- प्रतियोगिताएँ: स्कूलों और कॉलेजों में राष्ट्रीय ध्वज के बारे में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा सकती हैं, जैसे कि निबंध लेखन, चित्रकला और क्विज़। सेमिनार और कार्यक्रमः- राष्ट्रीय ध्वज के महत्व और इसके इतिहास पर सेमिनार और कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। सामुदायिक गतिविधियाँ:- सामुदायिक गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं, जैसे कि रैलियाँ, मार्च और सांस्कृतिक कार्यक्रम! सोशल मीडिया पर प्रचार:- सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर राष्ट्रीय ध्वज दिवस के बारे में जागरूकता फैलाई जा सकती है और लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। तिरंगे का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इसके लिए कुछ नियम हैं जैसे-तिरंगे को हमेशा ऊपरी हिस्से में रखा जाना चाहिए। - इसका अपमान करना अपराध है।- इसका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता है।

भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। यह हमें तिरंगे के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। यह वह ऐतिहासिक दिन है जब संविधान सभा ने तिरंगे को आधिकारिक तौर पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज घोषित किया था। भारतीय तिरंगा, जिसे तिरंगा भी कहा जाता है भारत की आज़ादी, लोकतंत्र और विविधता का प्रतीक है। हमारे देश का तिरंगा जब शान से लहराता है तो हर भारतीय का सीना गर्व से फूल जाता है। ऐसे में इस विशेष अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें ध्वजारोहण समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण आदि शामिल है। जब भी राष्ट्रीय ध्वज को फहराया जाता है, तो यह सम्मान की स्थिति में होना चाहिये।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग: जब भक्त की रक्षा के लिए स्वयं प्रकट हुए भगवान

अंजनी सक्सेना

भगवान शंकर के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग दसवां है। यहां भगवान शंकर नागेश्वर स्वरूप में अपने परम भक्त सुप्रिय की रक्षा करने के लिए प्रकट हुए थे और भक्तों के अनुरोध पर ज्योतिर्लिंग स्वरुप में यहीं प्रतिष्ठित हो गए। नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का वर्णन श्रीशिवमहापुराण एवं स्कंद पुराण के अलावा वामन पुराण सहित अन्य अनेक ग्रंथों में भी मिलता है। श्रीशिवमहापुराण के अनुसार प्राचीन समय में दारूक नामक एक भयानक राक्षस हुआ करता था। उसकी पत्नी दारुका माता पार्वती की कृपापात्र थी। जिससे वह अहंकार में चूर रहती थी। उसका पति दारुक बलशाली राक्षस था। वह दूसरे अन्य राक्षसों के साथ मिलकर यज्ञ आदि शुभ कर्मों को नष्ट करता हुआ सन्त-महात्माओं का संहार करता था। वे पश्चिमी समुद्र के किनारे सभी प्रकार की सम्पदाओं से भरपूर सोलह योजन विस्तार वाले दारुक वन में निवास करते थे। माता पार्वती के वरदान से दारूका जहाँ भी जाती थी, वृक्षों तथा विविध उपकरणों से सुसज्जित वह वनभूमि अपने साथ ले जाती थी। महादेवी पार्वती ने उस वन की देखभाल का दायित्व दारूका को ही सौंपा था इस कारण यह वन सदैव उसके पास रहता था। दारुक,दारुका एवं उनके सहायक राक्षस वहां के निवासियों को तरह तरह से प्रताड़ित करते थे। उनके अत्याचारों से पीड़ित रहवासियों ने महर्षि और्व को अपना कष्ट सुनाया। शरणागतों की रक्षा के धर्म पालन करते हुए महर्षि और्व ने राक्षसों को शाप दे दिया। उन्होंने कहा कि जो राक्षस इस पृथ्वी पर प्राणियों की हिंसा और यज्ञों का विनाश करेगा, उसी समय वह अपने प्राणों से हाथ धो बैठेगा। महर्षि और्व द्वारा दिये गये शाप की सूचना जब देवताओं को मालूम हुई, तब उन्होंने दुराचारी राक्षसों पर चढ़ाई कर दी। राक्षसों पर भारी संकट आ पड़ा। यदि वे युद्ध में देवताओं को मारते हैं, तो शाप के कारण स्वयं मर जाएँगे और यदि उन्हें नहीं मारते हैं, तो पराजित होकर स्वयं मर जाएँगे। उस समय दारूका ने माता पार्वती के वरदान का प्रयोग किया और वह सम्पूर्ण वन को लेकर समुद्र में जा बसी। अब ये राक्षस समुद्र में निवास करते हुए वहाँ भी प्राणियों को सताने लगे। एक बार धर्मात्मा और सदाचारी सुप्रिय नामक शिव भक्त वैश्य नौका पर सवार होकर समुद्र में जलमार्ग से कहीं जा रहा था, उस समय दारूक राक्षस ने नौका पर आक्रमण कर दिया। उसने सुप्रिय सहित सभी लोगों का अपहरण कर उन्हें बन्दी बना लिया। सुप्रिय शिव जी के अनन्य भक्त थे, इसलिए वह हमेशा शिवजी की आराधना में लगे रहते थे। कारागार में भी उनकी आराधना बन्द नहीं हुई और उन्होंने अपने अन्य साथियों को भी शिवजी की आराधना के प्रति जागरूक कर दिया। कारागार में सभी बंदी शिवभक्ति में लीन हो गए। जब इसकी सूचना राक्षस दारूक को मिली, तो वह क्रोध में उबल उठा। उसने देखा कि कारागार में सुप्रिय ध्यान लगाए बैठा है, तो उसे डाँटते हुए बोला- वैश्य! तू आँखें बन्द करके मेरे विरुद्ध कौनसा षड्यन्त्र रच रहा है? राक्षस दारूक ने अपने अनुचरों को आदेश दिया कि इस शिवभक्त को मार डालो। अपनी हत्या के भय से भी सुप्रिय डरे नहीं और संकटमोचक भगवान शिव को पुकारने में ही लगे रहे। सुप्रिय की प्रार्थना को सुनकर भगवान शिव एक बिल से प्रकट हो गये। उनके साथ ही चार दरवाजों का एक सुन्दर मन्दिर प्रकट हुआ। उस मन्दिर के मध्यभाग में (गर्भगृह) में एक दिव्य ज्योतिर्लिंग प्रकाशित हो रहा था तथा शिव परिवार के सभी सदस्य भी उसके साथ विद्यमान थे। वैश्य सुप्रिय ने शिव परिवार सहित उस ज्योतिर्लिंग का दर्शन और पूजन किया।

इतिसं प्रार्थितः शम्भुर्विवरान्निर्गतस्तदा।
भवनेनोत्तमेनाथ चतुर्द्वारायुतेन च?
मध्ये ज्योतिःस्वरूपं च शिवरूपं तदद्भुतम्।

परिवारसमायुक्तं दृष्टवा चापूजयत्स वै
पूजितश्च तदा शम्भुः प्रसन्नौ ह्यभवत्स्वयम्।
अस्त्रं पाशुपतं नाम दत्त्वा राक्षसपुंगवान्
जघान सोपकरणांस्तान्सर्वान्सगणान्द्रुतम्।
अरक्षच्च स्वभक्तं वै दुष्टहा स हि शंकरः?(श्री शिवमहापुराण)

तब सुप्रिय के पूजन से प्रसन्न भगवान शिव ने स्वयं पाशुपतास्त्र लेकर प्रमुख राक्षसों,उनके अनुचरों को तथा उनके सारे संसाधनों, अस्त्रों-शस्त्रों को नष्ट कर दिया। लीला करने के लिए स्वयं शरीर धारण करने वाले भगवान शिव ने अपने भक्त सुप्रिय आदि की रक्षा करने के बाद उस वन को भी यह वर दिया कि, आज से इस वन में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र, इन चारों वर्णों के धर्मों का पालन किया जाएगा। इस वन में शिव धर्म के प्रचारक श्रेष्ठ ऋषि-मुनि निवास करेंगे और यहाँ तामसिक दुष्ट राक्षसों के लिए कोई स्थान न होगा। राक्षसों पर आये इस भारी संकट को देखकर राक्षसी दारूका ने दीन भाव से देवी पार्वती की स्तुति की। उसकी प्रार्थना से प्रसन्न माता पार्वती ने पूछा- बताओ, मैं तेरा कौन सा प्रिय कार्य करूँ? दारूका ने कहा- माँ! आप मेरे कुल की रक्षा करें। पार्वती ने उसके कुल की रक्षा का आश्वासन देते हुए भगवान शिव से कहा- नाथ! आपकी कही हुई बात इस युग के अन्त में सत्य होगी, तब तक यह तामसिक सृष्टि भी चलती रहे, ऐसा मेरा विचार है। माता पार्वती शिव से आग्रह करती हुईं बोलीं कि, मैं भी आपके आश्रय में रहने वाली हूँ, आपकी ही हूँ, इसलिए मेरे द्वारा दिये गये वचन को भी आप प्रमाणित करें। यह राक्षसी दारूका राक्षसियों में बलिष्ठ, मेरी ही शक्ति तथा देवी है। इसलिए यह राक्षसों के राज्य का शासन करेगी। ये राक्षसों की पत्नियाँ अपने राक्षसपुत्रों को पैदा करेगी, जो मिल-जुल कर इस वन में निवास करेंगे-ऐसा मेरा विचार है। माता पार्वती के आग्रह को सुनकर भगवान शिव ने उनसे कहा- प्रिय! तुम मेरी भी बात सुनो। मैं भक्तों का पालन तथा उनकी सुरक्षा के लिए प्रसन्नतापूर्वक इस वन में निवास करूँगा। जो मनुष्य वर्णाश्रम धर्म का पालन करते हुए श्रद्धा-भक्ति पूर्वक मेरा दर्शन करेगा, वह चक्रवर्ती राजा बनेगा। कलियुग के अन्त में तथा सत युग के प्रारम्भ में महासेन का पुत्र वीरसेन राजाओं का महाराज होगा। वह मेरा परम भक्त तथा बड़ा पराक्रमी होगा। जब वह इस वन में आकर मेरा दर्शन करेगा। उसके बाद वह चक्रवर्ती सम्राट हो जाएगा। तब से यहां विराजित ज्योतिर्लिंग स्वरूप भगवान शिव नागेश्वर कहलाये और पार्वती देवी भी नागेश्वरी के नाम से विख्यात हुईं। जो तीनों लोकों की कामनाओं को पूर्ण करने वाले हैं।

इति दत्तवरः सोपि शिवेन परमात्मना।
शक्तः सर्वं तदा कर्तुं सम्बभूव न संशयः?
एवं नागेश्वरो देव उत्पन्नो ज्योतिषां पतिः।
लिंगस्पस्त्रिलोकस्य सर्वकामप्रदः सदा?
एतद्यः श्रृणुयान्नित्यं नागेशोद्भवमादरात्।
सर्वान्कामानियाद्धिमान्ममहापातक नाशनान्

अर्थात् जो मनुष्य प्रतिदिन नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति और माहात्म्य सम्बन्धी कथा को सुनता है, वह समस्त पापों से मुक्त हो जाता है तथा सम्पूर्ण भौतिक और आध्यात्मिक सुखों को प्राप्त करता है। श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग गुजरात राज्य के दारुका वन में स्थित है। वैसे यह ज्योतिर्लिंग प्रामाणिक रूप से कहाँ स्थित है, इस बारे में अलग अलग मान्यताएं हैं, फिर भी गुजरात राज्य में गोमती द्वारका के बीच दारूकावन क्षेत्र में इसके प्रामाणिक स्थान होने की मान्यता अधिक है। नागेश्वर ज्योतिर्लिंग होने के दावे जिन अन्य दो स्थानों पर किए जाते हैं, उनमें से एक आंध्रप्रदेश में अवढा गांव में माना जाता है। यह अवढा गांव महाराष्ट्र राज्य के परभनी क्षेत्र से होकर हिंगोली जाते हुए पड़ता है। दूसरा स्थान उत्तराखंड राज्य में अल्मोड़ा से सत्रह मील दूर जोगेश्वर नामक तीर्थ बताया जाता है। यहाँ उत्तर वृंदावन आश्रम के पास जोगेश्वर नाम का एक पुराना मंदिर है। इससे डेढ़ मील की उतराई पर देवदार के सघन वृक्षों के मध्य नदी के तट पर नागेश्वर ज्योतिर्लिंग बताया जाता है। स्कंद पुराण में इन्हीं नागेश लिंग का वर्णन एवं महात्म्य वर्णित है जबकि श्री शिव महापुराण में गुजरात राज्य के भीतर ही दारूकावन क्षेत्र में स्थित ज्योतिर्लिंग को ही नागेश्वर ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। श्रीशिवमहापुराण की द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तुति में भी नागेश्वर ज्योतिर्लिंग को दारूकावन क्षेत्र में ही वर्णित किया गया है। वैसे मान्यता यह भी है कि देवाधिदेव महादेव अपने नागेश्वर स्वरूप में कहीं भी विराजमान हों पर आदरपूर्वक जो भी व्यक्ति इस शिवलिंग की उत्पत्ति एवं महात्म्य को सुनेगा और इसके दर्शन करेगा, वह सभी पापों से मुक्त होकर समस्त सुखों को भोगता हुआ अंततः परमपद को प्राप्त होगा।

बामदेवेश्वर पर्वत पर भक्तों ने किया शिव का जलाभिषेक

- भोर पहर से ही पर्वत में गुंजायमान होने लगा हर-हर-बम-बम का जयघोष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। शिवकृपा से ओतप्रोत सावन माह के दूसरे सोमवार को शिवालयों में भूतेश्वर भगवान भोलेनाथ के दर्शन वंदन के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरे जिले के हरेक शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही। बामदेवेश्वर मंदिर में मध्य रात्रि से ही भक्तों का दर्शन पूजन के लिए आना शुरू हो गया था जो देर रात तक चलता रहा। इसी प्रकार से कालिंजर दुर्ग स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर में भी दर्शनार्थियों की भारी भीड़ रहीं। इसी तरह पैलानी क्षेत्र के खप्टिहाकलां के पास स्थित कालेश्वर मंदिर समेत जिले के सभी प्रमुख शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने विधिविधान के साथ भोलेनाथ का पूजन अर्चन किया।शिव पुराण में सावन के महीने में शिव आराधना का विशेष महत्व बताया गया है। माता पार्वती ने शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिये जब विशेष रूप से तपस्या की थी, वह सावन का ही महीना था, इसलिये ऐसा माना जाता है कि भोलेनाथ के जो भक्त पूरे सावन के महीने में विधिविधान के साथ पूजन करते हैं उन्हें सिर्फ एक माह के पूजन से वर्ष भर का पुण्य फल प्राप्त हो जाता है। शहर के प्रमुख शिव मंदिर बामदेवेश्वर मंदिर में विराजे त्रेतायुगीन देवाधिदेव भोलेनाथ के प्रतिरूप शिवलिंग के दर्शनों के लिये मध्य रात्रि से ही भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। भोलेनाथ के भक्त हाथ में गंगाजल और दूध के साथ अन्य पूजन सामग्री लिये हुए कतारों में खड़े अपनी बारी का बेसब्री से इंतजार करते देखे गये। इस दौरान कोई भक्त ओम नमरू शिवाय का जाप कर रहा था तो कोई बोल बम के उद्घोष से वातावरण को भक्तिमय बना रहा था। मंदिर में प्रवेश द्वार से लेकर गुफा तक महिलाओं और पुरुषों की कतारें अलग-अलग लगी हुई थीं। कैलाशपुरी के प्रमुख द्वार से लेकर मंदिर के प्रवेश द्वार और गुफा के भीतर तक ऊंचाई से देखने पर सिर्फ श्रद्धालुओं का सैलाब ही नजर आ रहा था। मंदिर प्रांगण से लेकर बाहर तक सुरक्षा के लिये पुलिस कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। कतार को आगे बढ़ाने में मंदिर कमेटी के स्वयंसेवक भी लगे हुए थे। उधर, कालिंजर स्थित नीलकंठेश्वर महादेव के दर्शनों को भी भक्तों की मंदिर प्रांगण से लेकर ऊपर सीढ़ियों तक लंबी कतारें लगी रहीं। बाँदा और नरैनी कस्बे से कालिंजर जाने के लिये दर्जनों की तादाद में चार पहिया वाहनों की लाइनें लगी हुई थीं। इसके अलावा मडफा, कालेश्वर समेत सभी शिव मंदिरों में भक्तों के जयकारे गूंजते रहे।

शिवभक्तों को संभालने के लिए रहा पुलिस का पहरा

बांदा। बामदेवेश्वर मंदिर में सावन के दूसरे सोमवार को भारी भीड़ के चलते किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। कालवनगंज चौकी प्रभारी महिला-पुरुष सिपाहियों की टीम के साथ पूरे समय श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सजग रहे। मंदिरों में भीड़ भाड़ के दौरान महिलाओं के साथ होने वाली घटनाओं पर महिला पुलिस टीम ने अपनी नजर गड़ाए रखी, साथ मंदिर परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। मंदिर प्रबंधन की ओर से भी सुरक्षा की जिम्मेदारी बखूबी निभाई गई।

सावन के दूसरे सोमवार पर गौरा बाबा धाम में श्रद्धालुओं को बांटा गया प्रसाद

अतर्रा/बांदा। सावन मास के दूसरे सोमवार को कस्बे के प्रसिद्ध दिए स्थल गौरा बाबा धाम भक्तों का दर्शन के लिए उमड़ी भीड़। जगह-जगह लोगों ने भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया।सावन मास के दूसरे सोमवार को कस्बे के गौरा बाबा धाम में भक्ति और सेवा देखने को मिली। एक और जहां सुबह से ही महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव गंगे काशी विश्वनाथ गंगे के धुन के साथ गौरा बाबा की प्रतिमा के दर्शन कर बेलपत्र दूध दही से विद्वत पूजा अर्चना कर मंगल की कामना की वही क्षेत्राधिकारी प्रवीण कुमार यादव के निर्देशन में श्रद्धालुओं को पूरी-सब्जी का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर शिवभक्तों की सेवा में जुटे पुलिसकर्मियों ने भक्ति भावना से ओतप्रोत वातावरण बनाया। प्रसाद वितरण कार्यक्रम के दौरान कोतवाली प्रभारी ऋषि देव सिंह, वरिष्ठ दिवान संदीप तिवारी, , विश्वनाथ सिंह, रवि सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मिश्र, आशीष गुप्ता ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर भंडारे की व्यवस्था में सहयोग किया। शिवभक्तों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के चलते परिसर में दिन भर श्रद्धा का माहौल बना रहा। पुलिस प्रशासन द्वारा भक्तों के स्वागत और उन्हें प्रसाद वितरित करने की पहल को श्रद्धालुओं ने सराहा। वहीं कस्बे के लोगों के द्वारा भी जगह-जगह भंडारी का आयोजन कर प्रसाद का वितरण किया गया मंदिर के महंत पुरुषोत्तम दास उर्फ मुन्ना भैया ने कहा कि सावन के महीने में भगवान शंकर की आराधना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती है

बाढ़ से पीड़ित सैकड़ों किसान खेतों पर ही अनशन को मजबूर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बबेरू /बांदा। तहसील बबेरू अंतर्गत ग्राम भदेहदू में 5 दिन पूर्व अत्यधिक बारिश होने से दक्षिण हार के खेतों में बाढ़ आ गई किसानों के खेतों का पानी ग्राम के मजरा परतू पुरवा से होकर गोशाला होते हुए लोक निर्माण विभाग की बनी क्रासिंग पुलियों से निकलता था लेकिन इस साल लोक निर्माण विभाग के द्वारा की गई चौड़ी करण से बनीं पुलियों को दबा दिया गया तथा उत्तर की ओर बने नाले की चौड़ाई कम होने से बाढ़ आ गई चिंतित सैकड़ों किसान व मजरे निवासियों ने तुरन्त तहसील बबेरू पहुंचकर लिखित रूप से उपजिलाधिकारी बबेरू एवं ऑनलाइन शिकायत के माध्यम से शासन प्रशासन को अवगत कराया कि हजारों बीघा खेतों में कमर तक एवं मजरे व गांव के घरों में पानी भर गया है जिलाप्रशासन के आदेशानुसार हल्का लेखपाल अनिल सिंह व नायब तहसील राहुल सिंह सिर्फ फोटो खिंचवाने ओरन बबेरू मुख्य मार्ग तक ही पहुंचकर खाना पूर्ति कर वापिस लौटने लगे जबकि पीड़ित पीछे पीछे गुहार लगाते रहे किसी की न सुनने पर किसान क्षेत्रीय बबेरू विधायक विसंभर सिंह यादव बांदा चित्रकूट सांसद कृष्णा देवी शिवशंकर सिंह पटेल सहित कई जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई।

कंाट में पांच साल का रिकार्ड टूटा, दस घंटे की एक साथ विद्युत कटौती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर में बिजली विभाग की तरफ से की जा रही कटौती से पूरे जनपद में हाहाकार मचा हुआ है।एक तरफ सावन माह में कांवर यात्रा दूसरी तरफ उमस भरी गर्मी से जहां आम आदमी परेशान है वहीं सबसे बड़ी समस्या कांवर यात्रा को लेकर अधिकारियों के सामने आई है।कांवरियों के लिए जगह जगह लगाए गए राहत शिविर, वैकल्पिक व्यवस्था शिविर, स्वास्थ्य शिविर,आदि सहायता समाधान केंद्रों में बिजली ना मिलने से त्राहि त्राहि मची हुई है।हालांकि प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जेनरेटर लगवा रखे हैं लेकिन यह व्यवस्था ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है। जनपद के रोजा थाना क्षेत्र अंतर्गत कई कस्बों और नगरीय क्षेत्रों में छः से दस घंटे की कटौती की जा रही है।यही स्थिति तिलहर,कटरा,निगोही,खुटार, जलालाबाद,कंाट , सेहरामऊ आदि क्षेत्रों में बनी हुई है।तिलहर निवासी अनूप दुबे, जयप्रकाश द्विवेदी, धर्मप्रकाश द्विवेदी, वेदप्रकाश आदि ने बताया कि उनके छेत्र में दस से लेकर बारह घंटे की कटौती की जा रही है।इस वजह से ना तो सो पा रहे हैं और न ही कोई कार्य हो रहा है।इस समय तो मोबाइल चार्ज करने तक की समस्या बनी हुई है। कांट के तो और ज्यादा हालात खराब है।सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक की बिजली कटाई की जा रही है।सबसे बड़ी समस्या कांवर यात्रा को लेकर आ रही है।प्रतिदिन लाखों की संख्या में कांवरिए इस छेत्र से गुजरते हैं।जिनकी सहायता के लिए दर्जनों शिविर और सहायता केंद्र बनाए गए हैं जोकि बिजली ना मिलने से औचित्यहीन बने हुए हैं।सबसे अधिक बिजली की समस्या कांट और जलालाबाद छेत्र तथा रोजा थाना क्षेत्र अंतर्गत हो रही है।क्योंकि फरुखाबाद से लेकर गोला तक सबसे ज्यादा क्षेत्रफल इन्हीं क्षेत्रों में आता है।

एटीएम से पैसा निकालने पहुंचे युवक की कर दी पिटाई, पिता को भी घसीटकर पीटा

परसपुर,गोंडा। पंजाब नेशनल बैंक भौरीगंज शाखा के एटीएम में पैसा निकालने पहुंचे एक युवक की पिटाई और उसके पिता के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। ग्राम बदूपुरवा निवासी दुर्गेश कुमार तिवारी पुत्र देवी प्रसाद तिवारी ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र रत्नेश कुमार तिवारी एटीएम से पैसा निकालने गया था। वहां मौजूद कैशियर आशुतोष त्रिपाठी ने बिना किसी वजह के उसके पुत्र की टुड्डी पर मुक्का मार दिया, जिससे उसके होंठ पर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। पीड़ित मौके पर पहुंचे तो आशुतोष त्रिपाठी आगबबूला हो गया और गाली-गलौज करते हुए उन्हें भी मारने लगा। विरोध करने पर उन्हें बैंक के पास स्थित सीढ़ियों के पास ईंटों पर गिराकर लात-घूंसों और थप्पड़ों से पीटा गया। आरोप है कि इस दौरान अन्य बैंककर्मी अमित झा, सुनील, शैलेश, देवी सिंह, अयोध्या और आशुतोष त्रिपाठी ने एक राय होकर मारपीट की और मां-बहन की भद्दी-भद्दी गालियां दीं।

कर्नलगंज-बैरमपुर-बरबटपुर सड़क की बदहाली से ग्रामीण परेशान

ग्रामीणों ने की मरम्मत की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कर्नलगंज,गोंडा। कर्नलगंज से बैरमपुर होते हुए बरबटपुर को जोड़ने वाली सड़क की स्थिति इन दिनों अत्यंत जर्जर हो चुकी है। इस सड़क की बदहाली ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। लंबे समय से उपेक्षित इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जो बरसात के मौसम में पानी भरने से कीचड़ में तब्दील हो जाते हैं। इस कारण ग्रामीणों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क पर कई लोग गिरकर गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। यह सड़क क्षेत्र का प्रमुख मार्ग है, जिसका उपयोग रोजाना स्कूल, बाजार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए होता है। कीचड़ और गड्ढों के कारण वाहनों का संचालन भी जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सड़क की मरम्मत के लिए कई बार प्रशासन से गुहार लगाई गई, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बरसात में स्थिति और बदतर हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में भरा पानी सड़क को दलदल में बदल देता है। इससे न केवल आवागमन बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल सड़क की मरम्मत की मांग की है, ताकि आवागमन सुगम हो और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इस शिकायत के बाद अब लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करेगा और सड़क को दुरुस्त करवाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मरम्मत से न केवल उनकी परेशानियां कम होंगी, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

सावन के दूसरे सोमवार पर हजारी टोला सिद्धनाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

उन्नाव। सावन के दूसरे सोमवार को जिले के प्रसिद्ध सिद्धनाथ मंदिर, हजारी टोला में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के सुबह से ही मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। भक्तों ने बेलपत्र, धतूरा, भांग, दूध और गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक कर परिवार की सुख-शांति और मंगल की कामना की। 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से माहौल शिवमय हो गया। मंदिर प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए विशेष प्रबंध किए थे, वहीं पुलिस ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से बैरिकेडिंग और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की।

परियर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं ने ब्रह्ममुहूर्त में किया स्नान व पूजा-अर्चना

परियर (उन्नाव)। सावन माह के दूसरे सोमवार के अवसर पर श्रद्धालुओं की टोलियां रविवार शाम से ही परियर स्थित ब्रह्मावर्त गंगा घाट पर एकत्र होने लगी थीं। रातभर भजन-कीर्तन के बाद तड़के ब्रह्ममुहूर्त में गंगा स्नान कर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने रास्ते में स्थित बाबा बलखंडेश्वर मंदिर समेत अन्य शिवालयों में जलाभिषेक कर भगवान शिव से मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। इस दौरान परियर चौकी प्रभारी अनिल कुमार राजपूत पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहे। स्वास्थ्य विभाग से रमाशंकर तिवारी ने टीम सहित मोर्चा संभाला। प्रकाश की व्यवस्था जिला पंचायत के सहयोग से की गई।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बांदा की मासिक बैठक हुई संपन्न

बांदा। सोमवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जनपद बांदा की जुलाई माह की मासिक बैठक कालू कुआं बांदा में संपन्न हुई। बैठक में समस्त ब्लाक अध्यक्षों से प्राप्त समस्याओं को एकत्रित किया गया एवं समस्त ब्लाक अध्यक्ष/महामंत्रियों ने संगठन विस्तार एवं आगामी कार्य योजना पर अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि ब्लाकों से प्राप्त समस्याओं का शीघ्र ही संबंधित अधिकारियों से निस्तारण कराया जाएगा। चयन वेतनमान स्वीकृत करने में विभागीय कर्मचारियों की गलतियों पर भी शिक्षकों का चयन वेतनमान न लगाया जाना एवं बी एल ओ ड्यूटी लगाना प्रमुख समस्याएं रही। संगठन में निष्क्रिय पदाधिकारियो के दायित्व परिवर्तन का निर्णय लिया गया। जिसके क्रम में अनुराग सिंह कार्यकारी अध्यक्ष बिसंडा को जिला सोशल मीडिया प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। साथ ही समायोजन के कारण रिक्त महामंत्री(बिसंडा) पद पर आलोक खरे को बिसंडा ब्लॉक का महामंत्री एवं अखिलेश कुमार को बबेरू ब्लाक का पदाधिकारी' मनोनीत किया गया। उपस्थित सभी पदाधिकारी ने दोनों मनोनीत पदाधिकारियो को बधाई दी। जिला कमेटी के निशांत चौरसिया को विशिष्ट आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया। शिक्षकों के स्थानांतरण से रिक्त हुए पदों पर शीघ्र समायोजन की कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला कार्यकारिणी, समस्त ब्लाक अध्यक्ष महामंत्री सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला संयुक्त महामंत्री विनोद कुमार शिवहरे ने किया।

चकबन्दी वादों का शीघ्र निस्तारण करें: डीएम

बांदा। जिलाधिकारी बाँदा श्रीमती जे0रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेझट सभागार में चकबन्दी कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने चकबन्दी अधिकारियों एवं सहायक चकबन्दी अधिकारियों को निर्देश दिये कि चकबन्दी वादों का शीघ्र निस्तारण करें। उन्होंने निर्देशित किया कि पुराने चकबन्दी वादों का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए, अधिक दिनों तक वाद लम्बित नही रहने पायें। उन्होंने जिन 40 गॉवों में चकबन्दी का कार्य किया जा रहा है, उसमें धारा-9, पडताल का कार्य एवं कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश चकबन्दी अधिकारी एवं सहायक चकबन्दी अधिकारियों को दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि चकबन्दी लेखपालों एवं कर्मियों के द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा करते हुए चकबन्दी कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामवार चकबन्दी के कार्यों की समीक्षा करते हुए ग्राम माचा एवं परसौडा में प्राप्त आपत्तियों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने पिपरोदर बांगर एवं सजेरी में चक निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि बरियारी में पडताल का कार्य पूर्ण हो गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चकबन्दी कार्यों में तेजी लाते हुए कार्यों को सम्पादित करें। उन्होंने चकबन्दी अधिकारियों को निर्देश दिये कि चकबन्दी कार्य में गॉवों के भूमि विवाद, चकरोड एवं भूमि सम्बन्धी पैमाइश आदि के विवाद समाप्त करते हुए चकबन्दी कार्यों को पूर्ण करायें।

हरियाली पर चला आरा: कर्नलगंज वन क्षेत्र में गूलर के पेड़ों की अवैध कटान उजागर

- वन विभाग और पुलिस पर लापरवाही के आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कर्नलगंज,गोंडा। जहां एक ओर देश भर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर सरकार गंभीरता से कदम उठा रही है,वहीं दूसरी ओर गोंडा जिले में वन संपदा की खुली लूट थमने का नाम नहीं ले रही है। कर्नलगंज तहसील के परसपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत शाहपुर चौकी के पूरे अंगद गांव में हरे-भरे गूलर के पेड़ों को अवैध रूप से काटे जाने का मामला प्रकाश में आया है। कटे हुए पेड़ को चुपचाप अवैध रूप से संचालित आरा मशीन पर गिरा दिया गया, जिससे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। सूत्रों के अनुसार, इस अवैध कटान में शिवम मिश्रा पुत्र राकेश मिश्रा और सूर्यभान सिंह उर्फ भिंडी सिंह का नाम सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने वन विभाग की जानकारी में या फिर उनकी मिलीभगत से यह हरकत की है। जिस गूलर के पेड़ को काटा गया, वह हरा-भरा और फलदार था, जो न सिर्फ पर्यावरण के लिए बल्कि पक्षियों और स्थानीय वन्य जीवन के लिए भी अहम था। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। चचरी और शाहपुर क्षेत्र में दर्जनों अवैध आरा मशीनें वर्षों से बेधड़क चल रही हैं। इन मशीनों पर रातों-रात जंगलों से लाकर हरे पेड़ चीर दिए जाते हैं और फिर लकड़ी को बाहर के बाजारों में बेचा जाता है। इस पूरे खेल में ठेकेदार, मशीन मालिक, और कुछ भ्रष्ट वन विभाग के अधिकारी व पुलिसकर्मी शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। वर्तमान में सरकार ह्लमां के नाम एक पेड़ङ्क जैसी मुहिम चला रही है, जिसका उद्देश्य हर परिवार को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना है। पर यह प्रयास तब बेमानी लगता है, जब स्थानीय स्तर पर ऐसे गंभीर मामले सामने आते हैं और जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठे रहते हैं। स्थानीय नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध आरा मशीनों को तत्काल प्रभाव से सील किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक इन मशीनों पर रोक नहीं लगेगी, तब तक जंगलों का कटान नहीं रुकेगा।

वन विभाग और पुलिस प्रशासन पर सवाल

इस पूरे मामले में वन विभाग की भूमिका संदेह के घेरे में है। अगर विभाग सच में सक्रिय होता, तो इतनी बड़ी तादाद में पेड़ों की कटाई और आरा मशीनों का संचालन संभव नहीं होता। वहीं स्थानीय पुलिस पर भी कार्रवाई न करने और संरक्षण देने के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि वह शाहपुर, चचरी, व अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर अवैध आरा मशीनों की पहचान कर उन्हें नष्ट करे और दोषियों को जेल भेजे।

क्या कहते हैं पर्यावरणविद

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि गूलर जैसे पेड़ न सिर्फ हरियाली को बढ़ावा देते हैं, बल्कि उनकी जड़ें भूमिगत जलस्तर को बनाए रखने में मदद करती हैं। इनके कटने से न केवल प्राकृतिक असंतुलन पैदा होता है, बल्कि आने वाले वर्षों में सूखा,जल संकट और तापमान में वृद्धि जैसी गंभीर समस्याएं जन्म ले सकती हैं। जिलाधिकारी व वन विभाग के उच्च अधिकारियों से अपेक्षा की जा रही है कि वे स्वयं इस मामले की जांच करें और दोषियों को सजा दिलाएं, ताकि भविष्य में कोई भी प्रकृति के साथ ऐसा खिलवाड़ करने का साहस न कर सके।

सदर विधायक ने वर्षा से गिरे मकानों का किया निरीक्षण

बांदा। सोमवार को सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी अपनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत चौसड, तेन्दुरा, अमवा, बिलगॉव, अजीतपारा एवं विगहना में भ्रमण कर अत्याधिक वर्षा के कारण ध्वस्त/गिरे हुये मकानों का निरीक्षण कर स्थानीय प्रशासन को जल निकासी एवं ससमय राहत समाग्री व अन्य मूलभूत सहायता हेतु तथा सी0एम0ओ0 को संक्रामंक बीमारियों से सम्बन्धित दवों आदि के छिडकाव हेतु निर्देशित कर ग्राम पंचायतों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यो को ससमय पूर्ण कराने के आदेश दिये तथा वहीं सैकडों की संख्या में आये हुये ग्रामवासियों की समस्याओं को सुन कर तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण कराने हेतु निर्देशित किया। विधायक प्रकाश द्विवेदी ने ग्रामवासियों को भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी तथा क्षेत्रीय जनता के साथ ग्रामों एवं मजरों का भ्रमण कर और आगामी विकास कार्यो का भी स्थलीय निरीक्षण किया।

मेधावी छात्रों का सम्मान कर गौरवान्वित हुई श्री सेवार्थ फाउंडेशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। श्री सेवार्थ फाउंडेशन ने जिले के प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित कर एक नई पहल की शुरुआत की। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में हाई स्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में श्रेष्ठ अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल की छात्रा श्रीति ने हाई स्कूल में 96.8% अंक अर्जित कर जिले का नाम रोशन किया, वहीं इंटर के छात्र अनुभव वर्मा ने 92.2% अंक प्राप्त किए। संस्था अध्यक्ष प्रथम श्रीवास्तव ने बताया कि यह मुहिम निरंतर जारी रहेगी, और विद्यालयों में जाकर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में संस्था संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन अध्यक्ष अमित मिश्रा, सचिव आशीष निगम, कॉमेडियन लक्ष्य निगम, प्रांजल गुप्ता, आयुष ठाकुर, नवल किशोर मिश्रा, मनीष गुप्ता, शरद श्रीवास्तव सहित कई सदस्य मौजूद रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि शर्मा की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह, पटका और प्रमाण पत्र भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी

शुक्लागंज में कांवड़ यात्रा के लिए व्यापक तैयारी, एडीएम ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

शुक्लागंज (उन्नाव)। सावन के दूसरे सोमवार को भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए नगर व आसपास के क्षेत्रों से आए कांवड़ियों की भारी भीड़ गंगा घाट पर उमड़ पड़ी। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुपालन में कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगर पालिका द्वारा व्यापक तैयारियां की गईं। एडीएम अमिताभ यादव ने रविवार को पालिका कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी मुकेश मिश्रा व एसवीएम प्रभारी अनूप शुक्ला के साथ मिश्रा कॉलोनी घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, गहरे पानी में बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बाद में, एडीएम ने नवीन बाढ़ चौकी स्थित कांवड़ सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया, जहां ठहरने की व्यवस्थाएं जैसे बिस्तर, कुर्सी आदि देखकर संतोष व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने खैरहा प्राथमिक विद्यालय में पालिका द्वारा कराए गए कार्यों का भी जायजा लिया और अंत में आनंद घाट पहुंचे। निरीक्षण का सिलसिला पालिका कार्यालय पर खुले कांवड़ सुविधा केंद्र के अवलोकन के साथ समाप्त हुआ।

बांगरमऊ में सनातन हिंदू वाहिनी की संगठन विस्तार सभा आयोजित

- महंत संजय नाथ योगी ने धर्मांतरण और लव जेहाद से बच्चों को बचाने की अपील की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ (उन्नाव)। नगर के लखनऊ मार्ग स्थित एक अतिथि गृह में रविवार को सनातन हिंदू वाहिनी द्वारा संगठन विस्तार सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष महंत संजय नाथ योगी ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए महंत योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सनातन धर्म की सरकार है, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके शासन में प्रदेश में कहीं भी दंगे नहीं हो रहे हैं और बहन-बेटियां सुरक्षित हैं। महंत योगी ने हिंदू परिवारों से अपील की कि वे अपने बच्चों को लव जेहाद और धर्मांतरण जैसी साजिशों से बचाएं, ताकि देश विरोधी ताकतों के मंसूबों को नाकाम किया जा सके।

सभा में मौजूद विधायक श्रीकांत कटियार ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गुंडागर्दी पर अंकुश लगा है और मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं थम गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांवड़ियों पर फूलों की वर्षा की जा रही है, यह सनातन परंपरा के सम्मान का प्रतीक है।

कार्यक्रम के अंत में महंत संजय नाथ योगी ने धर्मेंद्र सिंह (निवासीः बांगरमऊ) को सनातन हिंदू वाहिनी का प्रदेश मंत्री नियुक्त करने की घोषणा की।

सभा में महंत गोपाल दास महाराज, धर्मेंद्र सिंह, सूरज सिंह, कुलदीप सिंह, संतोष यादव, बाबूराम, अमरीश शुक्ला, उमेश सिंह, मझले सिंह, राधाकृष्ण द्विवेदी, कमलेश सिंह, अजय बहादुर सिंह, उमाशंकर यादव, अमित सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, अजय द्विवेदी, धीरू, महाराज सिंह, रंगा सैनी, संदीप सिंह, सर्वेश तिवारी, दिनेश सिंह, संतोष पांडेय, राहुल निषाद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पौराणिक शिव मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सावन माह के द्वितीय सोमवार को पौराणिक शिव मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। मंदिर के कपाट सुबह 3 बजे से खोल दिए गए थे और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी थीं। प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। मंदिर परिसर को बिजली और फूलों की झालरों से सजाया गया था। पुलिस ने भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उचित व्यवस्था की। सिनेमा चौराहे से श्रद्धालुओं की कतारें लगी थीं जो कि पुलिस प्रशासन द्वारा की गई बैरिकेडिंग तक पहुंची थीं।

श्रद्धालुओं ने भगवान शिव पर गंगाजल, दूध, दही, बेलपत्र, धतूरा, भांग और प्रसाद चढ़ाया। मंदिरों में भक्ति भजनों और मंत्रोच्चार के साथ जयकारों की गूंज से पूरा नगर भक्तिमय हो गया। पवित्र तीर्थ सरोवर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से डुबकी लगाकर स्नान किया। हालांकि, नगर पालिका की लापरवाही के कारण मिल डाइवर्जन रोड पर श्रद्धालुओं को गंदे पानी से गुजरना पड़ा। इस पर नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है। श्रद्धालुओं का कहना है कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है और इस दौरान शिवलिंग पर जलाभिषेक से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसडीएम युगान्तर त्रिपाठी, तहसीलदार भीमसेन, क्षेत्राधिकारी गोला शिवम कुमार, प्रभारी निरीक्षक गोला अम्बर सिंह और अन्य अधिकारी तैनात किए हैं। 500 पुलिस के जवान, 250 वॉलिंटियर और स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी तैनात की गई हैं। मंदिर के आसपास के क्षेत्र को बैरिकेडिंग कर बंद किया गया है और सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं।

सावन में शिवभक्ति की गूंजः सरयू घाट से मनमोहक झांकियों संग कांवड़ियों के दो जत्थे रवाना

धौरहरा, खीरी। सावन के पावन माह में भगवान भोलेनाथ की भक्ति में रंगे कांवड़ यात्रा का उल्लास पूरे क्षेत्र में देखते ही बन रहा है। सोमवार को ब्लॉक क्षेत्र से दो भव्य कांवड़ जत्थे सरयू घाट रामनगर बगहा से हर-हर महादेव के जयकारों के बीच रवाना हुए। गंतव्य था–छोटी काशी के नाम से प्रसिद्ध गोला गोकर्णनाथ, जहां ये शिवभक्त बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। पहला जत्था रामनगर बगहा की ''शिव कमेटी'' का 21वां जत्था था, जबकि दूसरा जत्था छेदीपुरवा से सरयू घाट पहुंचा। दोनों जत्थों ने वैदिक मंत्रोच्चार, विधिवत पूजन और शिव महिमा के गगनभेदी उद्घोष के साथ पवित्र जल भरकर कांवड़ यात्रा की शुरुआत की। शिवभक्तों ने सबसे पहले दुर्गा माता मंदिर पहुंचकर माथा टेका और फिर डीजे की धुन पर झूमते हुए, आकर्षक झांकियों के साथ यात्रा को आगे बढ़ाया। इसके बाद जोधापुरवा स्थित बीरबाबा स्थान पर कांवड़ियों ने पूजा-अर्चना कर यात्रा को और पवित्र किया। रात्रि विश्राम शारदानगर में किया जाएगा, जहां सभी श्रद्धालु एकत्र होकर शिव चर्चा और भजन-कीर्तन करेंगे। पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालु अनुशासित ढंग से कतारबद्ध होकर, 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बनाए हुए थे। शिवभक्ति की यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामूहिक सहयोग, समर्पण और संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन भी है।

सावन माह के दूसरे सोमवार को कांवरियों पर बरसे पुष्प, गोला गोकरणनाथ में उत्साह का माहौल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सावन माह के दूसरे सोमवार को पौराणिक शिव मंदिर छोटी काशी गोला नगर में आये हुए कांवरियों का स्वागत करने के लिए श्री श्याम दीवाने सेवा समिति द्वारा एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका परिषद के तत्वधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला और समिति के पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने कांवरियों पर पुष्प वर्षा की और उन्हें सावन माह की बधाई दी। पुष्प वर्षा के दौरान कांवरियों का उत्साह बढ़ाया गया और उनकी सेवा के लिए समिति के सदस्यों ने पूरी निष्ठा दिखाई।

कार्यक्रम में शामिल प्रमुख लोगों में समिति के संरक्षक अनिल जलोटा, अध्यक्ष दीपक राजपूत (बोझिया वाले), महामंत्री अजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, प्रमोद सोनी, जितेंद्र गुप्ता, मुकेश राठौर, सुमित राठौर, प्रवीण रस्तोगी, नवनीत श्रीवास्तव, आयुष गुप्ता, मयंक महेश्वरी, संदीप राजपूत, सौरभ जायसवाल, सौरभ सिंह, अनुराग गुप्ता और रजत देवल सहित समिति के अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे। इस आयोजन से श्रद्धालुओं में खुशी और उत्साह का माहौल बना और सभी ने समिति और नगर पालिका परिषद के प्रयासों की सराहना की। पुष्प वर्षा और बधाई संदेश से कांवरियों का मनोबल बढ़ा और वे अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए और अधिक उत्साहित हो गए।

प्रेम और समर्पण का उदाहरण है श्री कृष्ण और रुक्मणी विवाह : संजीवनी मिश्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी स्थित साईं मैरिज लान में चल रही सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन कथा वाचिका संजीवनी मिश्रा ने कृष्ण और रुक्मणी विवाह के प्रसंग का वर्णन किया है। उन्होंने प्रसंग सुनाते हुए कहा कि रुक्मणी का विवाह भगवान श्रीकृष्ण से हुआ था। यह विवाह पौष मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को हुआ था। रुक्मणी राजा भीष्मक की पुत्री थीं। वह भगवान श्री कृष्ण से अपार प्रेम करती थीं। शीशपाल से उनका विवाह तय हो गया था। लेकिन रुक्मणी ने श्री कृष्ण को मन ही मन में अपना पति मान लिया था। श्रीकृष्ण ने रुक्मणी का हरण कर लिया और उसे शिशुपाल से युद्ध करके उन्हें द्वारका ले गए। वहां श्रीकृष्ण और रुक्मणी का विवाह धूमधाम से हुआ। यह विवाह पौराणिक कथाओं में प्रेम समर्पण और धार्मिक मान्यताओं का उदाहरण माना जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू व विशिष्ट अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख मितौली राजीव वर्मा को आयोजकों ने पीला अंग वस्त्र एवं छोटी काशी शिव स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजक व्यापारी नेता पटेल अशोक कनौजिया, जिला पंचायत सदस्य शिखा कनौजिया, राकेश भार्गव, सुमित वर्मा, सतीश वर्मा, प्रियंका, वर्मा डॉक्टर सुमेधा पटेल, अमीषा पटेल, आकाश कनौजिया विशाल पटेल समेत सैकड़ो श्रोता मौजूद रहे।

सीओ गोला व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक की सूझबूझ से संपन्न हुआ दूसरा सोमवार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। पौराणिक शिव मंदिर गोला गोकर्णनाथ में पवित्र सावन माह के दूसरे सोमवार को लगभग ढाई लाख से भी अधिक कावड़ियों एवं शिव भक्तो ने जलाभिषेक कर महादेव के दर्शन किए। वहीं आशा से अधिक कावरियों के आवागमन के चलते पुलिस प्रशासन को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। लेकिन पुलिस की साहस के साथ संभाली गई ट्रैफिक व्यवस्था सफलता के साथ पुलिस व्यवस्था संभालने में सफल रही। सावन माह के दूसरे सोमवार को अत्यधिक भीड़ हो जाने के कारण मंदिर के मेंन गेट पर भीड़ को कंट्रोल करना इतना मुश्किल हो गया कि पुलिस के जवान भी घायल होते होते बच्चे। वही पीलीभीत धर्मशाला में अव्यवस्था देखी गई जहां पर लोगों ने बताया कि पीलीभीत धर्मशाला में नगर पालिका की ओर से किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। अगर साधारण रूप से देखा जाए तो एक पानी की टंकी भी नहीं रखी गई है जिससे तीर्थ यात्रियों को पीने का स्वच्छ जल स्वच्छ जल मिल सके जो की एक बड़ी चिंता का विषय है। वहीं दूसरी और सदर चौराहे पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू कांवरियों पर पुष्प वर्षा करते हुए नजर आए लेकिन देखा जाए तो सावन के दूसरा सोमवार को गोला थाना प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह ने अपनी जिम्मेदारियां पर मेले की कमान संभालते हुए बड़ी सूझबूझ के साथ मेले में आए श्रद्धालुओं की सेवा भाव से शिव भक्तों को दर्शन करने के लिए अपने सभी प्वाइंटों पर सतर्कता से भ्रमण करते रहे। सूत्र बताते हैं कि कोतवाली गोला प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह रविवार की रात से ही अपने सभी ड्यूटी प्वाइंटों पर नजर बनाए हुए थे जिसके कारण तीर्थ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा और खबर लिखे जाने तक शांति पूर्ण ढंग से सावन का दूसरे सोमवार को सभी इसी भक्तों को जल अभिषेक कराया गया।

कांवरियों पर पुष्प वर्षा कर राष्ट्रीय बजरंग दल ने किया स्वागत

अजान खीरी। राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सावन माह के द्वितीय सोमवार को छोटी काशी गोला स्थित पौराणिक शिव में मंदिर में जलाभिषेक करने आए लाखों शिव भक्त कांवरियों पर पुष्प वर्षा कर उनका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में अशोका ट्यूबवेल्स के पास मोहम्मदी रोड पर संगठन द्वारा बनाए गए सहायता केंद्र पर पुष्प वर्षा का आयोजन किया गया। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने कांवरियों की हर संभव मदद की। एक बुजुर्ग महिला जो दर्द से प्रताड़ित थी और जनपद शाहजहांपुर की निवासनी थी, वह सहायता केंद्र पर पहुंची। संगठन द्वारा उनका उपचार कराया गया और उपचार के बाद उन्हें उनके जनपद शाहजहांपुर जाने वाली बस पर बैठाकर बस ड्राइवर को उन्हें उनके स्थाई पते पर छोड़ने के लिए कहा गया। पुष्प वर्षा के दौरान वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आकाश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा, जिला महामंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला संयोजक अशोक जायसवाल, विधानसभा अध्यक्ष आकाश बजरंगी, नगर अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता और अन्य दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाईः गौकशी करने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार

अजान खीरी। हैदराबाद पुलिस टीम ने गौकशी करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक खीरी श्री संकल्प शर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रिजवान पुत्र अनाउल्ला, तौहीद उर्फ बातून पुत्र कल्लू और नफीस पुत्र फिद्दा के रूप में हुई है। ये सभी भुडवारा गांव के निवासी हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से एक बांका (बघौडी), दो छुरी, एक रस्सी, एक लकड़ी का गट्टा, एक पन्नी, एक जूट का बोरा और एक मोटर साइकिल लाल रंग प्लेटीना बरामद की है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सन्तपाल सिंह राठौर, हेमन्त कटियार, अरुण रावत, धर्मेन्द्र कुमार वर्मा, कन्हैया तेजयान, आकाश यादव, नीरज कुमार, प्रेमशंकर और संजीव कुमार शामिल थे। अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय लखीमपुर खीरी के समक्ष भेजा गया है।

पुष्प वर्षा के साथ हरिद्वार के लिए रवाना हुई पलिया की डाक कांवड़ यात्रा

पलिया खीरी। सोमवार को महाकाल भक्तों की डाक कावड़ यात्रा हरिद्वार के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर समाजसेवी और भाजपा नेता रवि गुप्ता ने अपने मित्रों के साथ पुष्प वर्षा कर कांवड़ियों को विदाई दी। हजारों भक्तों के जनसमूह ने डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए हरिद्वार के लिए प्रस्थान किया। ये कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल भरकर नंगे पैर दौड़ते हुए पलिया आएंगे और महाकाल मंदिर में भगवान महादेव पर जल चढ़ाकर जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान पलिया शहर भक्तिमय रहा और लोगों ने कांवड़ियों को सफल और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। भाजपा नेता रवि गुप्ता ने पलिया विधानसभा की सम्मानित जनता की ओर से कांवड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

गोला मेला में बिछड़ी 8 वर्षीय बच्ची को पुलिस ने ढूंढकर परिजनों के सुपुर्द किया

अजान खीरी। ऑपरेशन मुस्कान के तहत हैदराबाद पुलिस टीम ने एक 8 वर्षीय गुमशुदा बच्ची को ढूंढकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया है। यह बच्ची अपने परिजनों के साथ गोला मेला देखने आई थी और भीड़ में बिछड़ गई थी। पुलिस अधीक्षक खीरी श्री संकल्प शर्मा के निर्देशन में और अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के सन्निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष थाना हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए बच्ची को ढूंढ निकाला। बच्ची का नाम प्रियंका है, जो देवीदयाल की पुत्री है और उसकी उम्र लगभग 8 वर्ष है। वह मूल रूप से बेहथर थाना हरबल जनपद हरदोई की रहने वाली है। पीआरवी 2883 द्वारा बच्ची को थाना लाया गया था, जिसके बाद पुलिस टीम ने परिजनों का पता लगाकर उन्हें बच्ची को सौंप दिया। इस कार्यवाही में शामिल पुलिस टीम के सदस्यो मे हे0मो0 संदीप कुमार,का0 महेन्द्रपाल सिंह पीआरवी 2883हो0गा0 प्रदीप कुमार सिंह 4. म0 का0 रजनी शर्मा रहे । पुलिस की इस तत्परता और कार्यवाही की सराहना की जा रही है, और परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

दिव्यांगता चिन्हांकन शिविर की तिथिया घोषित

बांदा। मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया है कि जनपद स्तर पर कमेटी गठित कर दिव्यांग बच्चों का चिन्हाकंन चिकित्सीय परीक्षण, दिव्यांगता प्रमाण पत्र और सहायक उपकरण सम्बन्धित विभागों द्वारा लाभान्वित कराये जाने हेतु पंजीकरण शिविर का आयोजन दिनांक 25 जुलाई, 2025 को विकास खण्ड तिन्दवारी, 29 जुलाई को विकास खण्ड बबेरू में तथा 31 जुलाई को विकास खण्ड बिसण्डा में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाये जाने हेतु सम्बन्धित डाक्टरों की टीम गठित करते हुए ड्यूटी भी लगायी जायेगी, जिससे कि पात्र दिव्यांगों का पहचान पत्र बनाकर उनका पंजीकरण एवं उपकरण उपलब्ध कराये जा सकें। अतः सभी दिव्यांगजन उक्त कैम्पों में अपना आधार कार्ड, फोटो व अन्य अभिलेख लेकर उपस्थित हों।

गौ रक्षा समिति के पदाधिकारी ने कावड़ियों का किया स्वागत

बांदा। सोमवार को बांदा शहर आगमन पर कवाड़ियों का स्वागत फूल वर्षा एवं ठंडा पानी पिलाकर किया गया। यह कार्यक्रम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से कावड़ यात्रा निकाली जा रही है जो यह कावड़ यात्रा थी हर हर महादेव बोल बम ग्रुप की थी इस पर काफी संख्या मैं लोग उपस्थित थे और पुलिस प्रशासन की संपूर्ण व्यवस्था थी विश्व हिंदू महासंघ गौरक्षा समिति के जिला अध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति ने बताया कि यह कावड़ यात्रा चित्रकूट से चलकर बांदा आई है जिस पर सभी कावाडीयों ने वामदेवेश्वर मंदिर पर आज सभी लोगों ने जल चढ़ाया और भगवान भोलेनाथ से अपने लिए आशीर्वाद मांगा और देश दुनिया की सुख शांति के लिए भी कामना की इस कार्यक्रम के दौरान जिला महामंत्री राकेश कुमार त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र द्विवेदी जिला उपाध्यक्ष आलोक कुमार प्रजापति जिला उपाध्यक्ष कृष्ण प्रजापति ब्लाक अध्यक्ष सत्यम मिश्रा जिला प्रचार मंत्री रजनीश प्रजापति रामपाल कुशवाहा आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नकलविहीन, शान्तिपूर्ण व सुचितापूर्ण सम्पन्न करायें परीक्षाः एडीएम

बांदा। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी न्यायिक माया शंकर की उपस्थित में कलेक्टेड्रट सभागार में समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी की 27 जुलाई, 2025 को आयोजित होने वाली परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्टेड्रट एवं स्टेटिक मजिस्टेड्रट को निर्देश दिये कि इस परीक्षा को नकलविहीन, शान्तिपूर्ण व सुचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न करायें। उन्होंने सेक्टर मजिस्टेड्रटों को निर्देश दिये कि अपने क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों का परीक्षा से एक दिन पूर्व निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी, फर्नीचर, लाइट, पेयजल आदि अन्य व्यवस्थाओं को चेक कर लें। उन्होंने स्टेटिक मजिस्टेड्रट तीन दिन पूर्व परीक्षा सहायकों को प्रशिक्षित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रों के अन्दर कोई भी परीक्षार्थी मोबाइल फोन, इलेक्ट्रानिक डिवाइस आदि लेकर नही जायेंगे। परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग की जायेगी। उन्होंने केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिये कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरा संचालित रखने के साथ एक कन्ट्रोल रूम भी बनाया जाए तथा ड्यूटी में लगे सभी परीक्षा निरीक्षक एवं अन्य स्टाफ का परिचय पत्र के साथ बिना मोबाइल फोन के ड्यूटी पर उपस्थित रहेगें।

गन्ना सर्वे सट्टा प्रदर्शन हेतु मिल अधिकारियों ने दिए दिशा निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लि0 चीनी मिल गोला व गन्ना विकास परिषद गोला द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम स्तरीय सट्टा प्रदर्शन के सम्बन्ध में गोला मिल में बैठक आयोजित की गयी। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोष मधुकर ने 63 कॉलमों में दर्ज मोबाइल नम्बर, बैंक खाता,आधार, बेसिक कोटा,पेड़ी,पौधा,कुल भूमि आदि के सम्बंध में कर्मचारियों को निर्देशित किया कि किसानों को समस्त जानकारी देते हुए सट्टा प्रदर्शन करें व जिन किसानों का बेसिक कोटा कट रहा हो वह 15 सितम्बर तक उपज बढ़ोत्तरी की रसीद अवश्य कटा ले। वरिष्ठ महाप्रबन्धक(गन्ना) पी एस चतुर्वेदी ने किसानों से अनुरोध किया कि सट्टा प्रदर्शन के समय दी गयी सभी सूचनाओं को विधिवत देख ले,तथा यदि कोई भी सर्वे सम्बन्धी शिकायत है तो तत्काल प्रार्थना पत्र देकर सुधार करा लें। जिससे पेराई सत्र में कोई भी दिक्कत न हो। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई से 30 अगस्त तक गाँव गाँव मिल व समिति कर्मचारी पहुँचकर सट्टा प्रदर्शन करेंगे।जिसमे अनबोंडेड एरिया को प्रदर्शन के समय ही कर्मचारियों से मिलकर नया सदस्य बनकर,खतौनी देकर व पारिवारिक बटवारा कराकर बोंडेड में परिवर्तित करा लें तथा यह भी बताया कि नए सदस्य बनना शुरू हो गए है जिसकी अन्तिम तिथि 30 सितम्बर है अतः इससे पूर्व ही सदस्यता ग्रहण कर ले,उन्होंने यह भी बताया कि प्रदर्शन के ग्रामवार प्रोग्राम की सूचना एस एम एस द्वारा कृषकों के मोबाइल पर भेज दी गयी है। इस अवसर पर सहा0 महाप्रबन्धक गन्ना ओ डी शर्मा,प्रबन्धक गन्ना सत्येन्द्र कुमार मिश्र,संजीव चौधरी व अति0प्रबन्धक धीरज मिश्र सहित मिल व समिति के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोला गोकर्णनाथ में कांवरियों के लिए मेडिकल कैंप का आयोजन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के शिव मंदिर में आयोजित एक मेडिकल कैंप में कांवरियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इस कैंप का उद्घाटन एसडीएम युगांतर त्रिपाठी, तहसीलदार भीम चंद और पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला ने किया। कैंप में कांवरियों को दर्द निवारक ट्यूब, स्प्रे और ओआरएस लिक्विड वितरित किए गए। इसके बाद कैंप को नीलकंठ मैदान में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां कांवरियों को मेडिकल सुविधाएं प्रदान की गईं। इस आयोजन के पीछे स्मार्ट वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड और खाटूश्याम फार्मा का सहयोग रहा। कंपनी के एएसएम ज्ञानेश पांडेय और खाटूश्याम फार्मा के प्रोपाइटर रिशू महेश्वरी ने बताया कि यह आयोजन समाजहित में उनकी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। कैंप में खाटूश्याम फार्मा के सहयोगी शिवराज अवस्थी, अश्विनी, नितिन, आशीष और कुलदीप तिवारी आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांवरियों की सेवा करना उनका उद्देश्य है और वे भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज की सेवा करने के लिए तत्पर हैं।

नवोदय विद्यालय के 150 छात्रों ने खुद को किया हॉस्टल में बंद, प्रधानाचार्य पर गंभीर आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। मितौली में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब करीब 150 छात्रों ने विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ विरोध जताते हुए खुद को हॉस्टल में बंद कर लिया। छात्रों ने प्रधानाचार्य पर मानसिक प्रताड़ना, मारपीट और अनुचित व्यवहार जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना की सूचना मिलते ही तहसील के अधिकारी मौके पर पहुंचे लेकिन दोपहर दो बजे तक छात्र बाहर निकलने को तैयार नहीं हुए। छात्रों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे नवोदय विद्यालय समिति के सहायक आयुक्त से ही बात करेंगे। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक छात्र ने चेहरा ढककर विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ आरोपों के साथ प्रार्थनापत्र पढ़ा। छात्रों का कहना है कि विद्यालय में भय का माहौल है और प्रधानाचार्य का व्यवहार अस्वीकार्य है।

घटनास्थल पर कई घंटे बाद लखनऊ से नवोदय विद्यालय समिति के सहायक आयुक्त सुमन कुमार पहुंचे। छात्रों ने उन्हें तीन लिखित पत्र सौंपे, जिनमें प्रधानाचार्य पर छात्रों से मारपीट, एक शिक्षिका से दुर्व्यवहार और पिछले वर्ष अपनी शादी की सालगिरह पर छात्राओं से डांस करवाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

सहायक आयुक्त ने छात्रों की शिकायतों को सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया और उन्हें कार्रवाई का भरोसा दिलाया। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और छात्रों की सुरक्षा व शिकायतों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। जिला प्रशासन ने कहा है कि छात्रों के आरोपों को गंभीरता से लिया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सरदार पटेल पार्क को व्यवसायिक मंडी नहीं बनने देंगे

- जेडीयू नेत्री ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) उत्तर प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड प्रभारी शालिनी सिंह पटेल ने बांदा नगर के मध्य स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल ऑक्सीजन पार्क में हो रहे अवैध व्यावसायिक निर्माण और शुल्क आधारित गतिविधियों के खिलाफ आज उत्तर प्रदेश सरकार को कठोर कार्रवाई के लिए रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से एक विस्तृत ज्ञापन भेजा है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि सरदार पटेल जैसे लौह पुरुष की स्मृति में बने इस हरित परिसर को निजी स्वार्थ, सत्ता संरक्षण और अनियोजित मुनाफाखोरी का अड्डा बनाया जा रहा है, जो न केवल जनभावनाओं के साथ धोखा है, बल्कि पर्यावरणीय मर्यादा, लोकतांत्रिक पारदर्शिता और शासन की नीति-नियत को भी ठेंगा दिखाने जैसा है। ज्ञापन में कहा गया है कि नवाब टैंक में निजी नाव संचालन शुरू कर नागरिकों से शुल्क वसूला जा रहा है, पार्क में ?5 का प्रवेश शुल्क लागू कर दिया गया है और अब रेस्टोरेंट निर्माण जैसे ढांचागत कार्य भी प्रारंभ हो चुके हैं, जो पार्क की मूल अवधारणाकृएक शांत, स्वच्छ, निःशुल्क और सार्वजनिक हरित स्थलकृके विरुद्ध हैं। शालिनी सिंह पटेल ने स्पष्ट किया है कि न तो इस विषय में कोई जनसुनवाई की गई, न ही किसी प्रकार की सार्वजनिक सूचना या सहमति ली गई, जिससे यह कार्यप्रणाली लोकतंत्र और सुशासन के विरुद्ध प्रतीत होती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि अवैध निर्माण को तत्काल रोका जाए, नवाब टैंक की बोटिंग और प्रवेश शुल्क जैसी गतिविधियों को समाप्त किया जाए, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जवाबदेही तय की जाए और पार्क की मूल जनहितकारी स्वरूप को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाए।

शिक्षा की कमी या लापरवाही?

- ग्राम प्रधान की गलती से अनुसूचित जाति की महिला को कागज पर बनाया पिछड़ी जाति,प्रशासन ने दी सफाई और सुधार का वादा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान, खीरी। ब्लॉक कुंभी क्षेत्र के ग्राम पंचायत मिर्ज़ापुर ग्रट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ग्राम प्रधान की गलती या कहें कि लापरवाही के चलते एक अनुसूचित जाति की महिला का जातिगत दर्ज़ा निवास प्रमाण पत्र में बदलकर पिछड़ी जाति के रूप में अंकित कर दिया गया। इस घटना ने न सिर्फ प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि यह भी उजागर किया है कि जमीनी स्तर पर जातिगत पहचान और दस्तावेज़ीय सटीकता को लेकर कितनी सतर्कता बरती जा रही है। मजरा बिहारीपुर निवासी शिल्पी देवी, पुत्री विजय पाल, जब ग्राम प्रधान नवल किशोर के पास निवास प्रमाण पत्र बनवाने पहुंचीं तो उनका नाम तो सही दर्ज हुआ, लेकिन उनकी जाति ''अनुसूचित जाति ऽ चमार'' की बजाय ''पिछड़ी जाति ऽ चमार'' लिख दी गई। यह न केवल प्रशासनिक चूक है, बल्कि संवेदनशील जातिगत पहचान के साथ खिलवाड़ भी माना जा रहा है। जैसे ही यह मामला प्रकाश में आया, तहसील और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों ने संज्ञान लिया और मौके पर पहुंचकर दस्तावेजों की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों ने यह स्वीकार किया कि गलती ग्राम प्रधान की ओर से हुई है, और जल्द ही संशोधित प्रमाण पत्र जारी करने का आश्वासन दिया गया। प्रशासन की कार्यवाही और आगे की योजनाः महिला का निवास प्रमाण पत्र संशोधित कर शीघ्र जारी किया जाएगा। संबंधित ग्राम प्रधान को चेतावनी और जातिगत जानकारी की सटीकता पर निर्देश दिए गए हैं। भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचाव के लिए ग्राम प्रधानों को ''दस्तावेज़ीय प्रशिक्षण'' देने की योजना बनाई जा रही है। जिम्मेदारी तय होगी या रफ्तार से दबेगा मामला यह घटना सवाल खड़े करती है–क्या यह केवल एक 'त्रुटि' है या शिक्षा और जागरूकता की गहरी कमी का परिणाम? ग्रामीण जनता के अधिकारों और पहचान से जुड़े दस्तावेज़ों में लापरवाही अगर इसी तरह होती रही, तो ग्राम पंचायतें कैसे मजबूत होंगी?

नीतीश कुमार रेड्डी इंग्लैंड दौरे से बाहर अर्शदीप चौथे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं

एजेंसी

मैनचेस्टर। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं जबकि चोटिल तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चौथे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। दूसरे और तीसरे टेस्ट में खेलने वाले रेड्डी रविवार को जिम में अभ्यास करते हुए चोटिल हो गए थे और अब वह स्वदेश लौटेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''नीतीश कुमार रेड्डी बाएं घुटने की चोट के कारण शेष दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। नीतीश स्वदेश लौट आएंगे और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। अर्शदीप को पिछले सप्ताह बेकेनहैम में अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर गेंदबाजी करते समय बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। उन्होंने श्रृंखला में अब तक कोई मैच नहीं खेला है। बयान में कहा गया है, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है। हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है और वह मैनचेस्टर में टीम से जुड़ चुके हैं। चौथा टेस्ट मैच बुधवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। इंग्लैंड पांच मैचों की एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 से आगे चल रहा है।

चौथे टेस्ट के लिए भारत की टीमः शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम को भारत नहीं भेजना चाहता है पाकिस्तान

कराची। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने खेल की वैश्विक नियामक संस्था एफआईएच को सूचित किया है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसके लिए अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए अपनी टीम को भारत भेजना मुश्किल होगा। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा कि उन्होंने एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) को पत्र लिखकर टीम को भारत भेजने को लेकर अपने फैसले से अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा, ''हमने उन्हें सूचित किया है कि मौजूदा परिदृश्य में हमारी टीम को भारत में खेलते समय सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है। हमने उन्हें बता दिया है कि हमारे खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने के इच्छुक नहीं हैं। एशिया कप विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब इस प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी एफआईएच और एएचएफ पर है।

नेपाल की टीम विश्व कप क्वालीफायर से पहले बीसीसीआई उत्कृष्टता केंद्र में करेगी अभ्यास

एजेंसी

नयी दिल्ली। नेपाल की पुरुष क्रिकेट टीम टी-20 विश्व कप क्वालीफायर की तैयारी के तहत 20 अगस्त से चार सितंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) में प्रशिक्षण लेगी। यह कदम 'दोनों देशों के युवाओं को जोड़ने' के उद्देश्य से भारत सरकार के सहयोग से उठाया गया है। टी-20 विश्व कप क्वालीफायर इस साल अक्टूबर में होने वाले हैं। मुख्य टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। भारत ने पिछले साल अगस्त में भी इस उत्कृष्टता केंद्र में नेपाल की टीम के प्रशिक्षण में सहयोग किया था। नेपाल ने पिछले साल जून में हुए टी-20 विश्व कप से पहले बड़ौदा और गुजरात क्रिकेट संघ की टीमों के साथ त्रिकोणीय टी-20 अभ्यास टूर्नामेंट में भी भाग लिया था। भारत सरकार के एक अधिकारी ने कहा, '' क्रिकेट से जुड़े सहयोग ने भारत और नेपाल के बीच मजबूत और सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों में एक नया आयाम जोड़ा है। यह क्रिकेट के प्रति साझा जुनून के माध्यम से दोनों देशों के युवाओं को जोड़ रहा है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत की प्रतिबद्धता को दिखाते हुए जनवरी 2024 में नेपाल की पुरुष क्रिकेट टीम और सीएएन (नेपाल क्रिकेट संघ) के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी और 'नेपाल में क्रिकेट के विकास के लिए भारत के समर्थन' से अवगत कराया था। भारत सरकार ने इस साल मार्च में नेपाल में नेपाल की अंडर-19 टीमों और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ की टीम के बीच अभ्यास टूर्नामेंट के आयोजन में भी सहयोग दिया था। नेपाल की महिला टीम ने भी मई में थाईलैंड में हुए एशिया विश्व कप क्वालीफायर की तैयारी के लिए अप्रैल-मई में दिल्ली में एक तैयारी शिविर में भाग लिया था। नेपाल क्वालीफायर के फाइनल में पहुंचा।

आईसीसी ने दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली पर विचार विमर्श के लिए कार्य समिति गठित की

एजेंसी

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट क्रिकेट में दो स्तरीय प्रणाली शुरू करने की संभावना तलाशने के लिए अपने नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति का गठन आईसीसी की सिंगापुर में हुई वार्षिक आम बैठक के दौरान अध्यक्ष जय शाह और गुप्ता के नेतृत्व में किया गया था। गुप्ता को इस महीने की शुरुआत में सीईओ नियुक्त किया गया था। 'द गार्डियन' की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैनल के अन्य सदस्यों में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग भी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ''कोई भी बदलाव विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र के लिए किया जाएगा, जो 2027 से 2029 तक चलेगा। इसमें मौजूदा नौ टीम के प्रारूप के बजाय छह-छह के दो डिवीजन का प्रस्ताव है। समिति को इस साल के आखिर तक आईसीसी को अपनी सिफारिशें पेश करनी होगी। गोल्ड और ग्रीनबर्ग के समिति में शामिल होने का मतलब है कि नई दो-स्तरीय प्रणाली लागू होने की पूरी संभावना है, क्योंकि सीए और ईसीबी इसके प्रमुख समर्थक रहे हैं। इस बीच सिडनी मार्निंग हेराल्ड के अनुसार क्लब स्तर की अंतरराष्ट्रीय टी20 प्रतियोगिता चैंपियंस लीग अगले साल से फिर से शुरू हो सकती है। आईसीसी इस प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। इसको लेकर चर्चा जारी है जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चैंपियंस लीग को इससे पहले आखिरी बार 2014 में भारत में आयोजित किया गया था, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स ने बेंगलुरु में हुए फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर खिताब जीता था।

निर्णायक मुकाबले में इंग्लैंड की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा भारत को

एजेंसी

चेस्टर ली स्ट्रीट (ब्रिटेन)। भारतीय टीम को लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने गलत शॉट चयन के कारण दूसरे मैच में हार झेलनी पड़ी थी और अब यहां मंगलवार को होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसे इंग्लैंड की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। भारत ने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से पहला मैच चार विकेट से जीता था, लेकिन शनिवार को लंदन में खेले गए बारिश से प्रभावित दूसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा, जिससे तीन मैचों की श्रृंखला अंतिम वनडे से पहले 1-1 से बराबरी पर है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्व कप दो महीने बाद शुरू होने वाला है। वनडे का यह प्रतिष्ठित महिला टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा, जिसकी मेज़बानी श्रीलंका और भारत के पांच शहर करेंगे। भारत की ऑलराउंड ताकत तथा कुछ खिलाड़ियों की अच्छी फॉर्म के कारण उम्मीद की जा रही थी कि वह दूसरे मैच में ही श्रृंखला अपने नाम कर देगा लेकिन खराब शॉट चयन और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में असमर्थता ने उसकी योजनाओं पर पानी फ़ेर दिया और 29 ओवर के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वह आठ विकेट पर 143 रन ही बना सका। भारतीय गेंदबाज भी असफल रहे और इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने काफी ओवर शेष रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। अब निर्णायक मुकाबले से पहले भारतीय टीम को कुछ विभागों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर विचार विमर्श करना होगा। उप-कप्तान स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा को छोड़कर भारत के अन्य बल्लेबाज सोफी एक्लेस्टोन, एम अलेट और लिसी स्मिथ जैसे गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए और उसके गेंदबाज भी अपेक्षानुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए। एक्लेस्टोन की सटीक गेंदबाजी के कारण भारतीय बल्लेबाजों को विशेषकर स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और वे चेस्टर ली स्ट्रीट में धीमी गति के गेंदबाजों के खिलाफ निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। भारत को अगर श्रृंखला जीतनी है तो भारत मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतीका रावल और हरलीन देओल में से कम से कम दो खिलाड़ियों को बड़ी पारी खेलने की जरूरत होगी। निचले क्रम में रिचा घोष और दीप्ति को उन्हें सहयोग देना होगा। जहां तक इंग्लैंड का सवाल है तो वह श्रृंखला के पहले मैच के बाद की तुलना में काफी बेहतर स्थिति में है। उसे गेंदबाजी में एक्लेस्टोन तथा अलेट और बल्लेबाजी में एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट तथा कप्तान नैट साइवर ब्रंट से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट से हासिल की रोमांचक जीत, ओवेन ने 27 गेंदों में जड़े छह छक्के

किंग्स्टन (जमैका)। मिशेल ओवेन ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में शानदार अर्धशतक जड़ा और एक विकेट भी हासिल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में तीन विकेट से रोमांचक जीत हासिल की। ओवेन ने 27 गेंदों में छह छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। उन्होंने कैमरन ग्रीन (26 गेंदों में 51 रन, दो चौके, पांच छक्के) के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 40 गेंदों में 80 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। इस साझेदारी ने ऑस्ट्रेलिया को रविवार को खेले गए इस मैच में सात गेंद शेष रहते 190 रन के लक्ष्य तक पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट खोकर 189 रन बनाए थे। उनकी शुरुआत शानदार रही, लेकिन आखिरी नौ गेंदों में केवल पांच रन बनने और चार विकेट गिरने के कारण वे 200 रन का आंकड़ा नहीं छू सके। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 36 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिसमें उन्होंने चार गेंदों में तीन विकेट लिए। जेसन होल्डर ने उनकी हैट्रिक को रोका, लेकिन अगली ही गेंद पर वे आउट हो गए। वेस्टइंडीज के शीर्ष चार बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। रोस्टन चेज ने 32 गेंदों में 60 रन की पारी खेली और शाई होप (55 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 91 रन जोड़े। इसके अलावा शिमरोन हेटमायर ने 38 रन का योगदान दिया।

भारत अक्टूबर-नवंबर में शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा

नयी दिल्ली। भारत इस साल 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा और इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान शहर की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। विश्व में शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे ने सोमवार को यह घोषणा की। इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब और 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के क्वालीफिकेशन स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने पिछली बार 2002 में हैदराबाद में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। तब विश्वनाथन आनंद ने खिताब जीता था। आगामी प्रतियोगिता में खिलाड़ी नॉकआउट प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां प्रत्येक राउंड में हारने वाला खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। फिडे ने कहा, ''विश्व कप में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 2026 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश, विश्व कप 2023 के उपविजेता आर प्रज्ञानानंद और वर्तमान में विश्व में पांचवें नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो इस पर प्रतियोगिता में भाग लेंगे। फिडे के सीईओ एमिल सुतोव्स्की ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''हम फिडे विश्व कप 2025 को भारत में आयोजित करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि यह एक ऐसा देश है जहां शतरंज के प्रति काफी जुनून है।'

भारत क्वार्टर फाइनल में जापान से हारकर बाहर

सोलो (इंडोनेशिया)। भारत की जूनियर टीम को सोमवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन जापान से 104-110 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। रिले स्कोरिंग प्रणाली के तहत खेली जा रही इस प्रतियोगिता के बेहद करीबी मुकाबले में भारत ने पहले मैच में 11-9 से मिली हार के बाद शानदार वापसी की। भार्गव राम अरिगेला और विश्वा तेज गोब्बुरू की लड़कों की युगल जोड़ी ने भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद वेन्नाला कलागोटला और रेशिका उथयासूरियन की लड़कियों की जोड़ी ने भी जीत हासिल की। इससे भारत 33-26 से आगे हो गया। इसके बाद रेशिका ने भव्या छाबड़ा के साथ मिलकर भारत की बढ़त को 44-35 कर दिया जबकि रौनक चौहान ने भी शानदार प्रदर्शन करके टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया था। भारत ने मुकाबले के अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी, लेकिन 2023 के चैंपियन जापान ने अंतिम पांच मैच जीतकर बढ़त बना ली। इनमें से अधिकतर मैच बेहद रोमांचक रहे।

अशोक लेलैंड ने वाहन वित्तपोषण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ की साझेदारी

नयी दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड ने वाहन वित्तपोषण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ साझेदारी की सोमवार को घोषणा की। वाहन विनिर्माता ने बयान में कहा कि दोनों भागीदारों ने कंपनी के मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहन (एमएचसीवी) ग्राहकों को वित्तपोषित करने के मकसद एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। अशोक लेलैंड के मुख्य वित्तीय अधिकारी के. एम. बालाजी ने कहा, '' छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ हमारा सहयोग हमें मजबूत और अनुकूलित पुनर्भुगतान योजनाओं के साथ व्यापक वित्तपोषण समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाता है। इससे छत्तीसगढ़ में बैंक के नेटवर्क का लाभ उठाने वाले हमारे ग्राहकों के लिए अधिक सुविधा सुनिश्चित होती है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के महाप्रबंधक (ऋण) विजय वसंत रायकवाड़ ने कहा कि इस साझेदारी से समूचे छत्तीसगढ़ के ग्राहकों को उनकी जरूरतों के हिसाब से पेशकश मिलेगी।

बीएसपीएल परिसमापन फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई खुली अदालत में होः पूर्व प्रवर्तक

नयी दिल्ली। भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड के पूर्व प्रवर्तकों ने उच्चतम न्यायालय से दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता के तहत बीएसपीएल के परिसमापन के आदेश संबंधी दो मई के फैसले के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई का सोमवार को अनुरोध किया। शीर्ष अदालत ने भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड (बीएसपीएल) के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील द्वारा प्रस्तुत समाधान योजना को अवैध और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) का उल्लंघन बताते हुए मई में खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी (अब सेवानिवृत्त) और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आईबीसी के तहत बीएसपीएल के परिसमापन का भी आदेश दिया था।

सेल ने जोजिला सुरंग को 31 हजार टन से अधिक इस्पात से बनाया सशक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी द्वि-दिशात्मक जोजिला सुरंग यातायात के लिए 2027 तक पूरा होने की स्थिति में है। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने इस परियोजना के लिए 31 हजार टन से ज्यादा स्टील की आपूर्ति की है। इस्पात मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सेल को इस रणनीतिक संरचना में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में शामिल किया गया था। इसके लिए सेल ने टीएमटी रि-बार, स्ट्रक्चरल और प्लेट सहित 31 हजार टन से अधिक इस्पात की आपूर्ति की है। मंत्रालय के मुताबिक रणनीतिक रूप से 11,578 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस सुरंग का निर्माण हिमालय के चुनौतीपूर्ण भूभाग में किया जा रहा है। 30 किलोमीटर से ज्यादा लंबी यह सुरंग श्रीनगर और लेह के बीच द्रास और कारगिल होते हुए हर मौसम में महत्वपूर्ण संपर्क प्रदान करेगी। ये सुरंग भारत के राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के विकास विशेष रूप से श्रीनगर-कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग, का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये सुरंग इस क्षेत्र में नागरिक और सैन्य गतिशीलता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक 2027 तक पूरा होने की ओर अग्रसर इस परियोजना को इस्पात की निरंतर आपूर्ति सेल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जोजिला सुरंग जैसी विशाल परियोजनाएं सेल के इस्पात की विश्वसनीयता और मजबूती पर निरंतर भरोसा करती हैं, जो कंपनी की गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और भारत के भविष्य को आकार देने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका का प्रमाण है। जोजिला सुरंग, चेनाब रेलवे पुल, अटल सुरंग, बांद्रा-वर्ली-सी लिंक, और ढोला सादिया एवं बोगीबील पुलों सहित भारत की सबसे प्रतिष्ठित अवसंरचना परियोजनाओं को सहयोग देने में सेल की व्यापक विरासत शामिल है।

यूको बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा 10 प्रतिशत बढ़कर 607 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 607 करोड़ रुपये हो गया। कोलकाता स्थित बैंक का गत वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में मुनाफा 551 करोड़ रुपये रहा था। यूको बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कुल आय बढ़कर 7,433 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 6,859 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक का परिचालन लाभ सालाना आधार पर 1,321 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,562 करोड़ रुपये हो गया। समीक्षाधीन अवधि में बैंक द्वारा अर्जित ब्याज बढ़कर 6,436 करोड़ रुपये हो गया जो गत वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 6,024 करोड़ रुपये था। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ।

देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 28 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों ने बनाई रणनीति

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी निर्यात रणनीति तैयार की है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने यह भी कहा कि सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने राज्य निर्यात संवर्धन समिति (एसईपीसी) और जिला निर्यात संवर्धन समिति (डीईपीसी) का गठन किया है। इसके अलावा, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के क्षेत्रीय अधिकारियों ने 590 जिलों के लिए जिला कार्ययोजना का मसौदा तैयार किया है। इनमें से 249 जिलों को डीईपीसी ने औपचारिक रूप से अधिसूचित किया है। अधिकारी ने बताया कि इन योजनाओं में जिलों से निर्यात को बढ़ावा देने की एक व्यापक रणनीति शामिल है। केंद्र राज्यों को निर्यात संवर्धन गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है क्योंकि इससे घरेलू विनिर्माण और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारी ने कहा, ''28 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य निर्यात रणनीति तैयार की गई है। इनमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक शामिल हैं। विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में, डीजीएफटी ने 'जिला निर्यात केंद्र' पहल को शामिल किया है। इसका उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले की क्षमता और विविधता को दिशा प्रदान करके उन्हें निर्यात केंद्र बनाना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, देश के सभी जिलों में निर्यात क्षमता वाले उत्पादों और सेवाओं की पहचान की गई है। निर्यात संवर्धन के लिए सहायता प्रदान करने और निर्यात वृद्धि की बाधाओं को दूर करने के लिए राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर एसईपीसी और जिला स्तर पर डीईपीसी के रूप में एक संस्थागत व्यवस्था बनायी गयी है।

स्टीफन डेब्लेज भारत में रेनो समूह के सीईओ नियुक्त

एजेंसी

नयी दिल्ली। फ्रांसीसी वाहन विनिर्माता रेनो समूह ने सोमवार को स्टीफन डेब्लेज को भारतीय परिचालन का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। उनकी नियुक्ति एक सितंबर, 2025 से प्रभावी होगी। वाहन विनिर्माता ने एक बयान में कहा कि डेब्लेज भारत में समूह की रणनीति को तय करने और लागू करने के लिए जिम्मेदार होंगे। देश में रेनो समूह की सभी इकाइयां उन्हें रिपोर्ट करेंगी। डेब्लेज सीधे रेनो समूह के खरीद, साझेदारी और जनसंपर्क अधिकारी, फ्रांस्वा प्रोवोस्ट को रिपोर्ट करेंगे। वाहन विनिर्माता ने बताया कि डेब्लेज, 2022 से रेनो कोरिया के सीईओ के रूप में कार्यरत हैं, जहां उन्होंने प्रमुख परिवर्तनकारी पहल का नेतृत्व किया है।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली तेजी, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 100 रुपये से 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसके विपरीत चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,150 रुपये से लेकर 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,800 रुपये से लेकर 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,16,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

सावन माह के दूसरे सोमवार पर बाबा विश्वनाथ के दरबार में आस्था का सैलाब, मंदिर परिक्षेत्र का हर कोना केसरिया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- खास कामिका एकादशी, सर्वार्थ सिद्धि योग में पावन ज्योर्तिलंग का जलाभिषेक और झांकी दर्शन कर शिवभक्त आह्लादित, दरबार में श्रद्धालुओं की अटूट कतार

वाराणसी। सावन माह के दूसरे सोमवार पर बाबा विश्वेश्वर(श्री काशी विश्वनाथ) की नगरी पूरी तरह शिवमय हो चुकी है। रविवार देर शाम से ही लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए धाम में उमड़ पड़ी। कामिका एकादशी, सर्वार्थ सिद्धि योग और खास गौरी योग में शिवभक्त और कावड़िए श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में भोर की मंगलाआरती के बाद पावन ज्योर्तिलंग का जलाभिषेक और झांकी दर्शन कर रहे है। दर्शन पूजन के बाद श्री काशी विश्वनाथ के भव्य और नव्य विस्तारित स्वरूप को देख शिवभक्त और कांवड़िये आह्लादित हैं। मंदिर के गर्भगृह से गंगा तट तक बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। कांवड़ियों और शिवभक्तों से मंदिर परिक्षेत्र का हर कोना केसरिया दिख रहा है। भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर न्यास और जिला प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर खास इंतजाम किए हैं। इस बार भी सावन के दूसरे सोमवार पर भोर में कतारबद्ध शिवभक्तों पर मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण के नेतृत्व में अफसरों ने गुलाब की पंखुड़िया बरसाई। प्रदेश शासन के निर्देश पर स्वागत के इस अंदाज पर शिवभक्त भी खुश दिखे। मंदिर में भीड़ नियंत्रण और भक्तों को बेहतर अनुभव देने के लिए कई व्यवस्थाएं की गई हैं, जिसमें चार अलग-अलग गेट से प्रवेश, डिजिटल दर्शन और 24 घंटे मेडिकल सपोर्ट जैसी सुविधाएं शामिल हैं। वीआईपी दर्शन और सुगम दर्शन टिकट बुकिंग पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। सावन के पहले सोमवार की भांति दूसरे सोमवार को भी नंदूफेरिया, सिल्को गली, ढुंढिराज गणेश, सरस्वती फाटक प्रवेश मार्ग से श्रद्धालु बाबा के चौखट तक दर्शन के लिए पहुंच रहे है। परिसर में जिगजैग बैरिकेडिंग से श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जा रहा है। सावन के दूसरे सोमवार पर श्रद्धालुओं को शाम को गौरी शंकर स्वरूप के झांकी का दर्शन मिलेगा। इसके पूर्व रात 3:30 पर बाबा के पावन ज्योर्तिलंग की विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य श्रृंगार कर मंगला आरती हुई।

बांकेबिहारी गोस्वामियों ने किया ऐलान नहीं होगा नेता व वीआईपी का स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मथुरा। श्रीबांके बिहारी मंदिर के प्रस्तावित कॉरिडोर का विरोध कर रहे गोस्वामीजनों ने सोमवार बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने मंदिर में दर्शन करने आने वाले सत्ताधारी दल के किसी भी नेता और स्थानीय अधिकारियों का न स्वागत करने, पटुका पहनाने और प्रसादी न देने की बात कही है। ऊर्जा मंत्री को ज्ञापन देने के दौरान महिलाओं के साथ पुलिस द्वारा की गई अभद्रता से गोस्वामीजनों में आक्रोश है। वह इस मामले को कोर्ट में लेकर जाने की बात कह रहे हैं।

गौरतलब है कि शनिवार को ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री एके शर्मा श्रीबांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। मंदिर में दर्शन के दौरान हंगामा हुआ। महिलाएं उन्हें ज्ञापन देना चाहती थीं, लेकिन सीओ सदर संदीप सिंह ने मंदिर में आते ही उनके साथ धक्का-मुक्की कर दी। उनके हाथ में लगी विरोध की स्लोगन पट्टी को छीन लिया। इससे माहौल गर्मा गया और शांतिपूर्ण ज्ञापन देने आईं गोस्वामियों ने हंगामा कर दिया। इस घटना के बाद गोस्वामीजनों ने सोमवार ऐलान किया है कि अब किसी भी सत्ताधारी नेता और स्थानीय अधिकारी का मंदिर में स्वागत नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही किसी को माला, पटुका भी नहीं पहनाएंगे। सेवायत नितिन सांवरिया का कहना है कि मंदिर परिसर में महिलाओं के साथ पुलिस का किया गया व्यवहार ठीक नहीं है। ऐसे में यह निर्णय लिया गया है। सेवायत हिमांशु गोस्वामी का कहना है कि कॉरिडोर के विरोध में गोस्वामियों से जो होगा, वह किया जाएगा। अब मंदिर में सत्ताधारी दल के नेता और अधिकारियों का सम्मान नहीं होगा। इंदुलेखा सखी ने कहा कि बिहारीजी के कॉरिडोर के नाम पर जो हो रहा है कि वह ठीक नहीं है। ठाकुरजी के जो अंगसेवी हैं, उनकी पत्नी से पुलिसकर्मी अभद्रता कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है। इसमें अधिकारियों को स्वतः ही संज्ञान लेना चाहिए। प्रशासन जबरन किसी कार्य को कराना चाहता है तो वैसे ही बता दे। सरकार तो सबके लिए होती है, वह किसी का अहित न करने की बात कह रही है लेकिन अधिकारी ऐसा व्यवहार कर रहे हैं।

तालाब पर अतिक्रमण और गंदगी को लेकर नागरिकों में आक्रोश

वाराणसी। जिले के मीरापुर बसही ग्राम के तालाब पर अतिक्रमण और गंदगी के मामले में क्षेत्रीय नागरिकों में बेहद आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र भेजकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है। मीरापुर बसही निवासी साहिल सोनकर ने बताया कि क्षेत्र में एक वृहद तालाब था। कुछ वक्त से तालाब गंदगी और अतिक्रमण का शिकार होता जा रहा है। तालाब के आसपास प्लॉटिंग कराई जा रही है। तालाब में कूड़ा कचरा फेंक कर उसे गंदा कर दिया गया है। वर्षा के पानी के अलावा उसमें भीतर का जल भी नहीं है। इस कब्जे को लेकर स्थानीय लोगों के नाराजगी जताई। लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर तालाब के जीर्णोद्धार की मांग की गई है, ताकि आम जनता को इस तालाब के पानी का लाभ मिल सके। तालाब के लिए वाराणसी के जिला प्रशासन से कई बार कहा गया।

भाजपा संगठन और जिला प्रशासन ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का किया स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिजनौर। हरिद्वार से जल लेकर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के स्वागत में सोमवार को जिले के थाना मंडावली क्षेत्रान्तर्गत उत्तराखंड बॉर्डर स्थित मोटा महादेव मंदिर प्रांगण में जन प्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अमला पहुंचा। मंदिर परिसर में विधायक नहटौर ओमकुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र चौहान बाबी, ब्लाक प्रमुख नजीबाबाद, जिलाधिकारी जसजीत कौर तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा आदि ने कांवड़ यात्रा में आए कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए उनका कुशलक्षेम जाना और यात्रा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। विधायक, जिलाध्यक्ष के साथ डीएम और एसपी ने कांवड़ियों को खाद्य सामग्री (फलहार) वितरित किए तथा उन्हें सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश व जानकारी दी। डीएम जसजीत कौर ने बताया कि प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रा मार्ग पर बेहतर सुविधाएं एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं एसपी अभिषेक झा ने कहा कि कांवड़ यात्रा में किसी प्रकार की समस्या न हो और कांवड़ियें बिना व्यवधान के चलते रहे, इसके लिए ट्रैफिक विभाग ने वाहनों का रूट डायवर्ट करते हुए बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को मुस्तैद किया गया है। रूट प्लानिंग के साथ कांवड़ियों को जिले से गुजारा जा रहा है। इस दौरान उनके खानपान के साथ आराम के लिए भी व्यवस्थाएं की गई हैं।

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को लोधेश्वर महादेव में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को लोधेश्वर महादेव के सुप्रसिद्ध शिव मंदिर पर श्रद्धालुओं का भारी जन सैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों की बढ़ती संख्या और उन्हें कोई दिक्कत न हो इसको देखते हुए मंदिर प्रांगण में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गये हैं। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने मेले का निरीक्षण कर अधिकारियों को सुरक्षा के उचित दिशा निर्देश दिए। जलाभिषेक के लिए हजारों की तादात में कांवड़ियें काफी दूर से पैदल चलकर लोधेश्वर महादेवा में पहुंच रहे हैं। रात 12 के बाद से ही दर्शन के लिए भक्तों की कतारें लग गई। रविवार की शाम से ही लखनऊ, कानपुर, झांसी, उरई, जालौन, उन्नाव, फतेहपुर, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर और बहराइच सहित तमाम जिलों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। इसके चलते जिले के होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला भरे हुए हैं। संपूर्ण मेला परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भर हुआ है। भारी भीड़ के मद्देनजर मंदिर प्रशासन ने पूजन व जलाभिषेक के लिए अर्धरात्रि से ही मंदिर के पट खोल दिए थे। सुबह होते ही जालीदार बैरिकेडिंग के मध्य कतारबद्ध होकर भारी संख्या में श्रद्धालु लोटे में जल, बेलपत्र, फूल, धतूरा व अन्य पूजन सामग्री लेकर जलाभिषेक के लिए मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। बम बम भोले के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर शिव मय बना हुआ है। रात्रि से अब तक तकरीबन तीन लाख से भक्त दर्शन करने का अनुमान लगाया जा रहा है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

गड़बड़ा शीतला धाम में एकादशी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, भक्तों को उठानी पड़ी परेशानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। हलिया विकास खंड अंतर्गत स्थित सुप्रसिद्ध गड़बड़ा शीतला धाम में सोमवार को एकादशी पर्व के अवसर पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सेवटी नदी में पुण्य स्नान कर मां शीतला के चरणों में शीश नवाया। मंदिर परिसर 'जय माता दी' के उद्घोष से गूंज उठा। भोर में मंगला आरती के साथ ही मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। इसके बाद भक्तों की लंबी कतारें धाम की गलियों से मंदिर तक दिखाई दीं। श्रद्धालु माला, नारियल, चुनरी और प्रसाद लेकर मां के दिव्य दर्शन को लालायित दिखे। हर कोई अपने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना कर रहा था। मंदिर के पुजारी मंगलधारी मिश्रा ने बताया कि सुबह से ही दर्शनार्थियों की भारी भीड़ बनी रही और सभी ने विधि-विधान से पूजन किया। वहीं श्रद्धा के इस उत्सव में अव्यवस्थाओं की छाया भी देखी गई। कुछ दिन पूर्व हुई वर्षा के कारण सेवटी नदी पर स्थित पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे दर्शनार्थियों को गड़बड़ा धाम पहुंचने में काफी कठिनाई हो रही है। स्थानीय लोग और प्रशासन अवगत होने के बावजूद अभी तक पुलिया की मरम्मत नहीं हो सकी है। इसके अलावा मंदिर मार्ग पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से बारिश के बाद जलभराव की स्थिति बन गई है। इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ने के साथ ही संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। श्रद्धालुओं ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में आने-जाने में कोई असुविधा न हो।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में लगा भक्तों का तांता, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भी शिव मंदिरों में भक्तों का तांता दिखाई दिया। मंगला आरती के बाद से ही शिवालियों में ओम नमः शिवाय और बम-बम भोले के जयकारों के साथ भक्त बाबा के दर्शन प्राप्त कर रहे हैं। सुरक्षा के लहजे से मंदिर कमेटी और पुलिस प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

सावन मास के दूसरे सोमवार को भी शहर के सुप्रसिद्ध बाबा आनंदेश्वर, बाबा सिद्धनाथ, वानखंडेश्वर मंदिर, जागेश्वर मंदिर, कैलाश मंदिर इत्यादियों में बड़ी संख्या में भक्ति बाबा के दर्शन कर रहे हैं। मंदिर के पुजारी अजय ने बताया कि मंगला आरती के बाद से ही भगवान के पट आम लोगों के दर्शन के लिए खोल दिए गए थे। तब से लेकर अभी तक हजारों भक्त बाबा के दर्शन प्राप्त कर चुके हैं। मंदिरों में किसी प्रकार की कोई अव्यवस्था ना फैले इसके लिए मंदिर के मुख्य द्वार से लेकर प्रांगण तक बैरिकेडिंग लगाई गई है। जिनके माध्यम से महिलाएं और पुरुष अलग-अलग लाइनों में लगकर अपनी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। मंदिरों में अराजक तत्वों पर नजर रखने के लिए पूरे परिसर में हाई डेफिनेशन सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए गए हैं। जिनसे कड़ी निगरानी भी की जा रही है। इसके अलावा मंदिरों की कमेटियों द्वारा तैनात किए गए वॉलिंटियर्स भी अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं।

गंगा का बढ़ता जलस्तरः छह ब्लॉकों के खेतों में घुसा पानी, फसलें डूबीं, प्रशासन अलर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। गंगा नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर ने जिले के छह ब्लॉकों – छानबे, कोन, सिटी, पहाड़ी, मझवां और सीखड़ की सीमावर्ती खेतीहर जमीनों को जलमग्न कर दिया है। इससे चार ब्लॉकों में करीब 300 बीघे से अधिक फसल पानी में डूब गई है। खासकर कोन ब्लॉक के हरसिंहपुर, मल्लेपुर, मवैया और मझरा गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। सड़कें पानी में डूबने से कई गांवों का मुख्य मार्ग से सम्पर्क कट गया है। गंगा का जलस्तर सोमवार दोपहर तक 75.340 मीटर तक पहुंच गया, जो चेतावनी बिंदु 76.724 मीटर से केवल करीब एक मीटर नीचे है। हालांकि राहत की बात यह है कि बीते चार घंटे में 12 सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और गंगा किनारे बसे गांवों के लोगों को अलर्ट किया गया है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और एडीएम वित्त एवं राजस्व अजय कुमार सिंह लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। एसडीएम सदर गुलाब चंद्र ने बाढ़ चौकियों का निरीक्षण किया और तटीय गांवों में अलर्ट जारी करवाया। अधिकारियों ने बताया कि मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण गंगा का जलस्तर बढ़ा है। केन और यमुना नदियों के रास्ते भी अतिरिक्त जल गंगा में पहुंच रहा है। चित्रकूट व बैराजों से छोड़ा गया पानी भी जलस्तर में वृद्धि का कारण है। चुनार क्षेत्र के जलालपुर माफी, बगाहीं, पचेवरा, नकहरा, नौगरहा, शिवपुर और गांगपुर जैसे तटीय गांवों के खेतों में पानी भरने से मूंगफली की फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका गहरा गई है। खेतों में तीन दिनों से जमा पानी से फसलें गलने की संभावना है। हालांकि बस्तियों तक पानी नहीं पहुंचा है, लेकिन जलभराव की वजह से किसान परेशान हैं। जलनिकासी की व्यवस्था न होने से चिंता बनी हुई है। चुनार, नरायनपुर और सीखड़ क्षेत्र की बाढ़ चौकियों पर तैनात कर्मचारी चौकन्ना हैं। एसडीएम राजेश कुमार वर्मा और तहसीलदार योगेंद्र शरण शाह लगातार दौरा कर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अगर हालात बिगड़ते हैं, तो राहत और बचाव कार्य तत्काल शुरू कर दिए जाएंगे। ग्रामीणों से भी सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन को सूचित करने की अपील की गई है।

मुरादाबाद : हर-हर महादेव के जयकारों संग कांवड़ बेड़ों ने रात्रि साढ़े तीन बजे से प्रारंभ किया जलाभिषेक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद में सावन मास के द्वितीय सोमवार कांवड़ बेड़ों ने रात्रि साढ़े तीन बजे से हर-हर महादेव के जयकारों संग जलाभिषेक प्रारंभ कर दिया। कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए किसरौल स्थित प्राचीन सिद्धपीठ 84 घंटा मंदिर और नागफनी स्थित झारखंडी शिव मंदिर के कपाट रात्रि तीन बजे खोल दिए गए थे। वहीं महानगर के सभी मंदिरों के शिवालयों में तड़के से ही जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े। प्रमुख मंदिरों में दोपहर दो बजे तक डाक कांवड़ पहुंचेंगी। शिवालयों को भव्य रूप से सजाया गया। भगवान शिव को भोग लगाकर व्रत को विश्राम दिया। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को शिवालयों में कांवड़ बेड़ों के साथ श्रद्धालु उमड़े। चौरासी घंटा मंदिर और झारखंडी शिव मंदिर पर रात्रि 12 बजे के बाद से ही हरिद्वार और बृजघाट से कांवड़ लेकर आए कांवड़ियों की भीड़ जुटने लगी थी। मंदिर पर भगवान आशुतोष का जयघोष होने लगा था। भीड़ को देखते हुए कांवड़ बेड़ों के साथ आने वाले डीजे और अन्य वाहनों को थाना नागफनी और दीवान का बाजार के चौराहे पर ही रोक दिया। भीड़ के कारण 84 घंटा मंदिर और झारखंडी शिव मंदिर के कपाट रात्रि लगभग तीन बजे खोल दिए गए थे। 84 घंटा मंदिर के मुख्य पुरोहित पुजारी विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि मंदिर की साफ सफाई के बाद आरती हुई और लगभग 3:30 बजे से सबसे पहले कांवड़ और डाक कांवड़ के जत्थों ने जलाभिषेक प्रारंभ कर दिया। तड़के चार बजे से अन्य श्रद्धालुओं ने भी पहुंचना शुरू कर दिया। इन्होंने कतारबद्ध होकर पूजा अर्चना करके भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को महानगर के लोगों ने काफी संख्या में हरिद्वार और ब्रजघाट से गंगाजल लाकर जलाभिषेक किया। यह लोग दोपहिया चौपहिया वाहनों से आज तड़के गंगाजल विभिन्न मंदिरों में पहुंच गए और जलाभिषेक किया। इसके अलावा महानगर के सभी मंदिरों में भक्तों ने परिवार संघ जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। भक्तों ने भोले बाबा को भांग, धतूरा और बेलपत्ती का प्रसाद चढ़ाकर जलाभिषेक किया। मंदिरों में महिला संकीर्तन मंडली द्वारा कीर्तन किया गया और महा आरती भी हुई। इस दौरान काफी मंदिरों को फूल-पत्तियों, रंग बिरंगी लाइट की झालरों और फलों से सजाया भी गया।